सतर्कवाणी

SATARKVANI

संस्करण 9/(Version IX)

विषय/Theme:

“भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें”

“Say no to corruption; commit to the Nation”

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
मिनीरत्न श्रेणी-I, सीपीएसई, भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन
16वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110001

सरदार वल्लभ भाई पटेल

(31 अक्तुबर, 1975- 15 दिसंबर, 1950)

सरदार वल्लभ भाई पटेल के सम्मान में हर साल सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

सतर्कवाणी, संस्करण IX, 2023

संरक्षक

श्री विनय कुमार सिंह

मुख्य सतर्कता अधिकारी

Custodian

Shri Vinay Kumar Singh

Chief Vigilance Officer

मुख्य संपादक

श्री पार्थ प्रतिम दास

उप मुख्य सतर्कता अधिकारी

Chief Editor

Shri Partha Pratim Das

Dy. Chief Vigilance Officer

संपादक

श्री अमिताभ शाह

संयुक्त महाप्रबंधक (सतर्कता)

Editor

Shri Amitabh Shah

JGM (Vigilance)

श्रीमती निहान सिद्दकी

पर्यवेक्षक (सतर्कता)

Smt. Nihan Siddiqui

Supervisor (Vigilance)

डिज़ाइनर एवं संकलनकर्ता

श्रीमती समप्रीत कौर

वरिष्ठ कार्यालय सहायक

Designer & Compiler

Smt. Sampreet Kaur

Sr. Office Assistant

पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के निजी विचार हैं। रचना की मौलिकता और अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे।

विषय सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा	1
2	अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश	3
3	मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश	4
4	शिकायत निपटान प्रक्रिया	5
5	पुरस्कृत निबंध सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 (निगम मुख्यालय) 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत: विकसित भारत'	7
6	पुरस्कृत पोस्टर- सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 (निगम मुख्यालय)	11
7	पुरस्कृत निबंध – सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 (पी एडं टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल) 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत: विकसित भारत'	13
8	क्षमता विकास कार्यक्रम की झलकियां	16
9	लेख: भारत के सरकारी संगठनों में सतर्कता जागरूकता: अखंडता का स्तंभ	17
10	कविता: भ्रष्ट मुक्त भारत	19
11	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 की विजेताओं की झलकियां	20
12	लेख: लचीले भारत एवं एसपीएमसीआईएल के लिए सतर्कवाणी के माध्यम से सतर्कता को सशक्त बनाना।	21
13	लेख: कार्यस्थल में ईमानदारी और अखंडता	23

विषय सूची (पिछले पृष्ठ से जारी)

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
14	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 की बाहरी गतिविधियों के विजेताओं की झलकियां	29
15	एसपीएमसीआईएल के सतर्कता विभाग की टीम	30
16	लेख: भ्रष्टाचार की रोकथाम की दिशा में सही कदम	31
17	पी एडं टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा बनाए गए कुछ पोस्टर	34
18	लेख: भ्रष्टाचार पर अनुच्छेद	35
19	लेख: सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2023 “भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें”	37
20	लेख: लोकहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण संकल्प (पीआईडीपीआई)	39
21	भारत- भ्रष्टाचार अनुभूति सूचकांक	43
22	अखंडता उद्धरण	44
23	भारत में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार विरोधी विकास का विहंगावलोकन	45
24	अखंडता क्या है?	50
25	सतर्कता विभाग द्वारा जारी दिशा-निदेश	51
26	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 का अनुपालन	53
(क)	निगम मुख्यालय	54
(ख)	भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक	55

विषय सूची (पिछले पृष्ठ से जारी)

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
(ग)	चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक	56
(घ)	बैंक नोट मुद्रणालय, देवास	57
(ड़)	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद	58
(च)	प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम	59
(छ)	भारत सरकार टकसाल, कोलकाता	60
(ज)	भारत सरकार टकसाल, मुबंई	61
(झ)	भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद	62
(ट)	भारत सरकार टकसाल, नोएडा	63
27	सतर्कता विभाग से प्रत्यावर्तन	65
28	सतर्कता विभाग में नई प्रविष्टि	66
29	सतर्कता विभाग की दूरभाष पुस्तिका	67

* * * * *

“Never compromise your values to please other people. Keep your self-respect and walk away”.

-Swami Vivekanandha

सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा - संगठनों के लिए

हमारा मानना है कि भ्रष्टाचार हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में प्रमुख बाधाओं में से एक रहा है।

हमारा मानना है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र जैसे सभी हितधारकों को मिलकर काम करने की जरूरत है।

हम उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करने की अपनी ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हैं तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम किसी भी भ्रष्ट आचरण का हिस्सा नहीं हैं और हम भ्रष्टाचार के मामलों से अत्यधिक सख्ती से निपटते हैं, सुरक्षा उपाय, अखंडता ढाँचे और आचार संहिता लागू करने की आवश्यकता है ।

हम महसूस करते हैं कि एक संगठन के रूप में, हमें भ्रष्टाचार को खत्म करने और अपने कार्यों के सभी पहलुओं में अखंडता, पारदर्शिता और सुशासन के उच्चतम मानक बनाए रखने में आगे बढ़कर नेतृत्व करने की आवश्यकता है।

अत: हम प्रतिज्ञा करते हैं कि:

- हम नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं और ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देंगे;
- हम ना ही रिश्वत देंगे ना ही स्वीकार करेंगे;
- हम पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता पर आधारित अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध हैं;
- हम व्यवसाय के संचालन में प्रासंगिक कानूनों, नियमों और अनुपालन तंत्र का पालन करेंगे;
- हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक आचार संहिता अपनाएंगे;
- हम अपने कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के ईमानदारी से निर्वहन के लिए उनके काम से संबंधित कानूनों, विनियमों आदि के बारे में जागरूक करेंगे;
- हम शिकायतों और धोखाधड़ी वाली गतिविधियों की रिपोर्ट करने के लिए शिकायत निवारण और व्हिसल ब्लोअर तंत्र प्रदान करेंगे;
- हम बड़े पैमाने पर हितधारकों और समाज के अधिकारों और हितों की रक्षा करेंगे।

Integrity Pledge-
For Organization

We believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country.

We believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

We acknowledge our responsibility to lead by example and the need to put in place safeguards, integrity frameworks and code of ethics to ensure that we are not part of any corrupt practices and we tackle instances of corruption with utmost strictness.

We realize that as an Organization, we need to lead from the front in eradicating corruption and in maintaining highest standard of integrity, transparency and good governance in all aspects of our operations.

We, therefore, pledge that:

- We shall promote ethical business practices and foster a culture of honesty and integrity;
- We shall not offer or accept bribes;
- We commit to good corporate governance based on transparency, accountability and fairness;
- We shall adhere to relevant laws, rules and compliance mechanisms in the conduct of business;
- We shall adopt a code of ethics for all our employees;
- We shall sensitize our employees of laws, regulations etc. relevant to their work for honest discharge of their duties;
- We shall provide grievance redressal and Whistle Blower mechanism for reporting grievances and fraudulent activities;
- We shall protect the rights and interest of stakeholders and society at large.

अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक का संदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
मिनिरत्न श्रेणी-I, सीपीएसई
(भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन)
Security Printing and Minting Corporation of India Limited
Miniratna Category-I, CPSE
(Wholly owned by Government of India)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

संदेश

संगठन संस्कृति के संदर्भ में भ्रष्टाचार एक ऐसी कुप्रथा है जो शासन के लोकाचार के लिए हानिकारक है। निर्धारित मानकों से जानबूझकर या अज्ञानता के कारण किया गया किसी भी प्रकार का विचलन भ्रष्टाचार कहलाता है। भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना से इसके प्रति जागरूकता पैदा होगी, जो भ्रष्टाचार के उन्मूलन में सहायक सिद्ध होगी।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि देश के कई अन्य सरकारी संगठनों के साथ एसपीएमसीआईएल में भी 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2023 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह –2023" मनाया जा रहा है।

सतर्कता जागरूकता का मुख्य उद्देश्य जनता और कर्मचारियों के बीच भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता पैदा करना है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास की दर को बाधित करता है, प्रतिस्पर्धा को विकृत करता है एवं समाज के नैतिक ढांचे को कमजोर बनाता है। भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सभी भारतीयों को भ्रष्टाचार विरोधी प्रभावी तंत्र विकसित करने और लागू करने के लिए साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में समाज के सभी वर्गों की सक्रीय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के सिद्धांतो का पालन करने की प्रतिज्ञा करते हैं।

एसपीएमसीआईएल का सतर्कता विभाग पहले से ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कई महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम उठा रहा है। मुझे आशा है कि "भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" विषय को आत्मसात करते हुए जागरूकता सप्ताह-2023 के पूर्ण अनुपालन से सकारात्मक परिणाम होंगे।

मुझे यह जानकर भी खुशी हो रही है कि सतर्कता विभाग इस आयोजन के दौरान अपनी सूचनात्मक पत्रिका "सतर्कवाणी" के नए अंक का प्रकाशन करने जा रहा है।

अंत में, मैं सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 तथा पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभकामनाएं देता हूं।

(विजय रंजन सिंह)

16वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली–110001
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi - 110001
फोन / Tel.: +91-11-23701220, 43582220, फैक्स / Fax :+91-11-43582276

मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश

विनय कुमार सिंह, भा.रा.से.
Vinay K. Singh, I.R.S.
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Chief Vigilance Officer

सत्यमेव जयते

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
(वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
Security Printing and Minting Corporation of India Ltd.
(Under Ministry of Finance, Govt. of India)

संदेश

मेरे लिए यह हर्ष का विषय है कि सभी सरकारी संगठनों के साथ-साथ एसपीएमसीआईएल में भी 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा निर्धारित विषय "भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" है।

सतर्कता जागरूकता का मुख्य उद्देश्य जनता और लोक सेवकों के मध्य भ्रष्टाचार के बारे में जागरूकता पैदा करना है ताकि इस कुरीति के निवारण के लिए सभी एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करें

आदर्श समाज में भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं है और हमें इसके उन्मूलन के लिए संयुक्त प्रयास करने चाहिएं। संगठन के संदर्भ में कंपनी के मूल मूल्यों पर संगठनात्मक जागरूकता पैदा करने और उसे कार्य व्यवहार में प्रदर्शित करने के लिए सतर्क व्यवहार की आवश्यकता है।

मैं सभी कर्मचारियों से सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 में पूर्ण मनोयोग से भाग लेने का अनुरोध करता हूं। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में सतर्कता को अपने संगठन में एक आदत और जीवन का तरीका बनाएं।

यह जानकर भी प्रसन्नता है कि सतर्कता विभाग इस आयोजन के साथ-साथ सूचनात्मक पत्रिका "सतर्कवाणी" के नौवें अंक का प्रकाशन कर रहा है। मैं सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

(विनय कुमार सिंह)

16 वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली - 110 001
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi-110 001
फोन / Tel. : 91-11-43582260 फैक्स / Fax : 91-11-43582202, ई-मेल / E-mail : cvo@spmcil.com
वैब / Web : www.spmcil.com
CIN : U22213DL2006GOI144763

Complaint Handling Process - Stage I

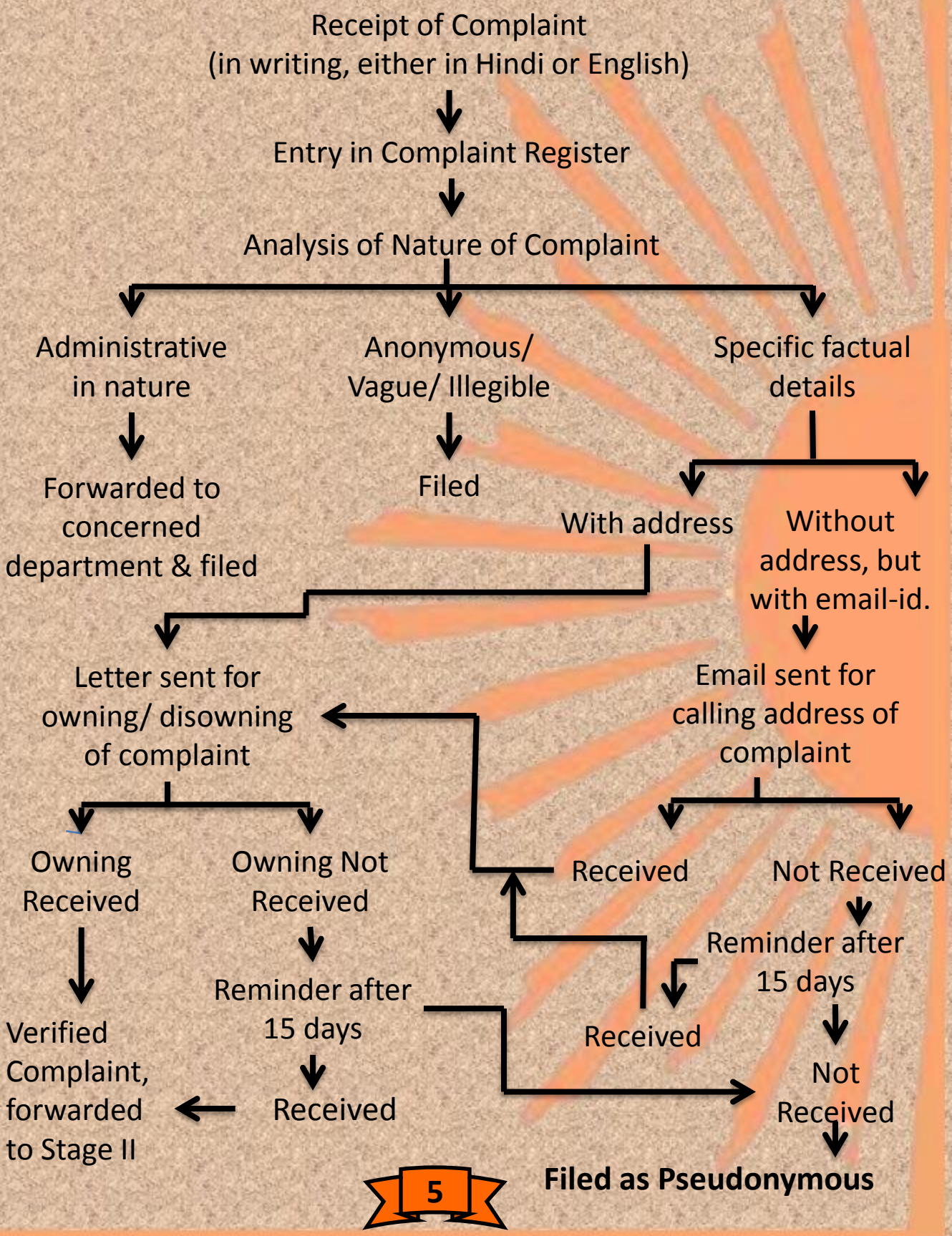

Complaint Handling Process - Stage II

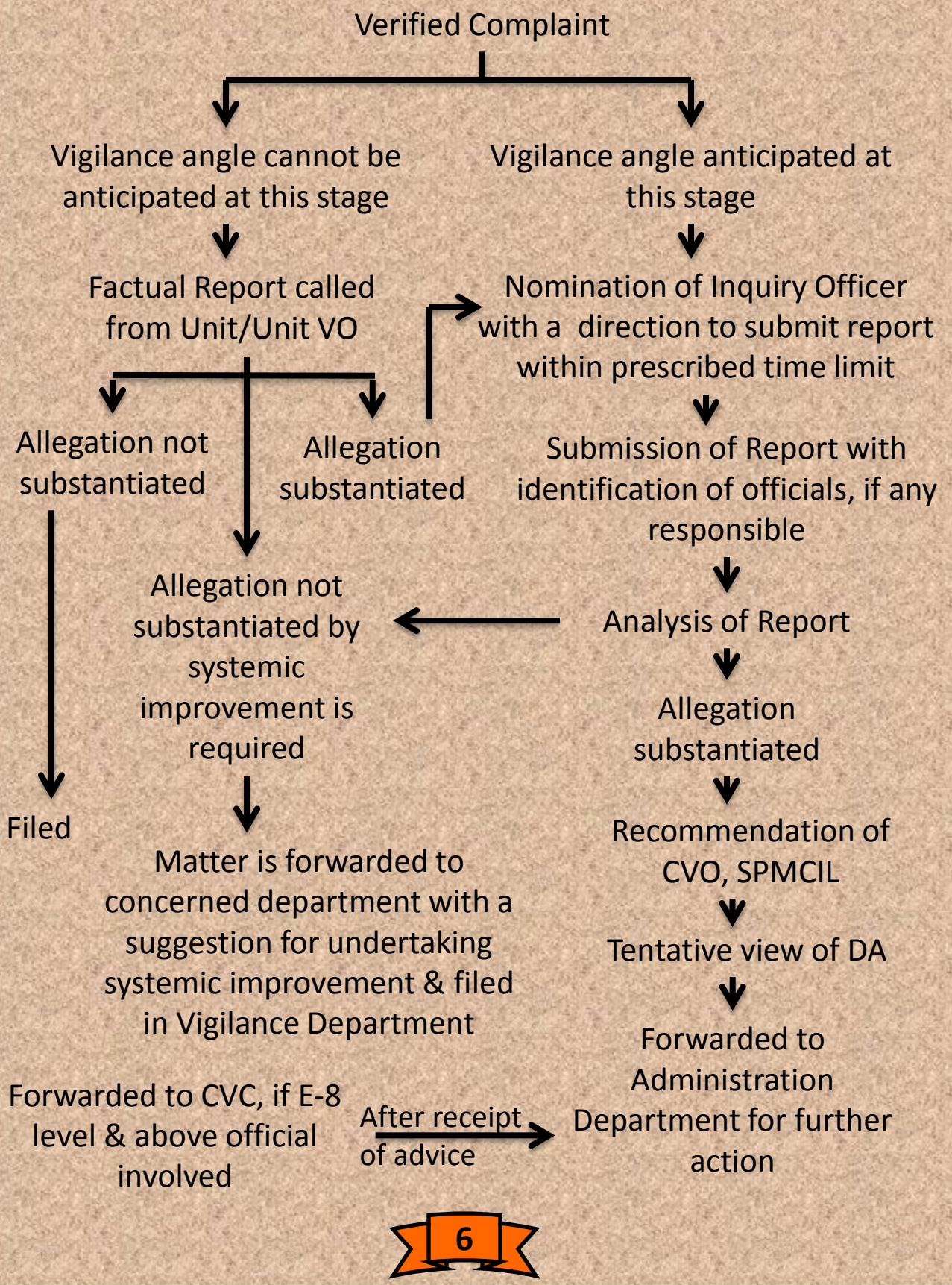

Award Winning Essay – VAW 2022 (Corporate Office)

Corruption Free India for a Developed Nation

- Sachin Agarwal,
Company Secretary,
Corporate Office,
New Delhi

Introduction

The corruption has played India for centuries obstructing the economic prosperity and development of the country. The corruption is rampant in all facets of life. Due to the corruption, the scarce resources are not utilized optimally. Corruption refers to giving priorities to self interests in place of national priorities. For development of a nation, it is very important to uproot the corruption. Corruption is such a disease that spread more rapidly than any epidemic. For example, if any person gets job by paying the bribe, he will attempt to cover up the amount of bribe paid by misutilizing the resources of the organization and thus escalating the effect of corruption. Thus, in order to create a developed nation, it is important that corruption is eliminated in the beginning itself.

Effects of Corruption

The corruption affects the development of a nation in the following ways:

i. Due to corruption, the education in good schools/ colleges would be provided to only those persons who pay bribes thus the education would become a business and inefficient people would get preference over efficient persons.
ii. The healthcare facility would not be available equally to all leading to spread of diseases/ chaos in the society.
iii. The knowledgeable and skillful persons would not be able to get jobs resulting into lack of performance.
iv. Corruption promotes social unrest and the instances of crime i.e. theft, dacoity, kidnapping, murder etc. would increase manifold.

v. The scarce resources would not be utilized properly endangering the mankind and nation as a whole.
vi. The corruption would impact the security and integrity of the nation.
vii. All the sectors i.e., banking, finance, travel, entertainment, media, hospitality, etc. would be impacted to a great extent due to the corruption.

Ways to Mitigate Corruption

The following ways are suggested to mitigate the corruption:

i. Proper education should be provided to mitigate the corruption. The education should start from home to stay away from corruption to lead a happy and healthy life. It is well said by our ex-President of India Dr.APJ Abdul Kalam:

"If a country is to be country free and become a nation of beautiful minds, there are three societal members who can make a difference. They are the Father, the Mother and the Teacher."

ii. The strict laws would be enacted for mitigating the corruption. The penal provisions should be implemented strictly to set an example for all.

iii. The technologies/digital means should be used to control the corruption. Use of electronic payment, CCTV etc. will be very helpful to control the corruption.

iv. A value system should be created for controlling the corruption. Dr.APJ Abdul Kalam has righly said that:

"India has to be transformed into a prosperous nation, a healthy and strong nation with a value system."

v. The scarce resources should be utilized optimally in a sustainable manner keeping in view the requirement of future generations. IT has been well told by DrAPJ Abdul Kalam that

"We shall be remembered only if we give to our younger generation a prosperous India and a safe India resulting from economic prosperity coupled with civilization heritage".

vi. The equal distribution of all the resources should be ensured. The participation of all sections of the society and regions on the country is important for making India corruption free. Our Prime Minister, Shri Narendra Modi has told

"In order to make India prosperous, all sections and regions of the society needs to be prosperous".

vii. It is important to spread awareness of the ill effects of corruption to stop the corruption. It is well said that

"Vigilance brings care for all and corruption brings danger for all"

Conclusion

It can be seen that the corruption eats up the prosperity and development of a nation. India is raking 85 in the corruption index out of 180 countries as per survey conducted by Transparency International in the year 2021. In order to ensure effective utilization of all the available resources, it is important to uproot the corruption. The corrupted nation can neither get honour nor development. It is well said by ex-Prime Minister of India Late Shri Atal Bihari Vajpayee that,

"I dream of an India that is prosperous strong and caring. An India that regains the place of honor in the counting of great nations".

If we want to see our country in the category of developed nations, it is our duty to stand-up against corruption and take the oath that we shall neither take bribe nor let anyone take bribe and follow corrupt practices. Finally, it is said:

Corrupted India ---------- Unsuccessful India
Corruption Free India ---------- Developed India

* * * * *

शपथ ग्रहण समारोह

निबंध लेखन
प्रतियोगिता

पुरस्कृत पोस्टर- सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022
(निगम मुख्यालय)

प्रथम विजेता-
श्रीमती बबीता
कार्यपालक सचिव

द्वितीय विजेता-
1. सुश्री आकांशा सिंगल
सहायक प्रबंधक (मा.सं.)

2. सुश्री शिवांगी चंद्रा
सहायक प्रबंधक (लीगल)

तृतीय विजेता-
श्रीमती पूजा आनंद
कार्यपालक सचिव

Different ways of Whistleblowing

leaking evidence of wrongdoing to the media

reporting wrongdoing or a violation of the law to the proper authorities

testifying in a legal proceeding

refusing to participate in workplace wrongdoing

पुरस्कृत निबंध – सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022
(पी एडं टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल)

भ्रष्टाचार मुक्त भारत: विकसित भारत

<u>भ्रष्टाचार मुक्त भारत: विकसित भारत भूमिका</u>:

भारत का विकास रुका है। भारत का विकास भ्रष्टाचार के कारण रुक गया है। भारत में भ्रष्टाचार बहुत बढ़ गया है।

भारत में भ्रष्टाचार के मुख्य कारण:-

1) पहल की कमी
2) लालच और बढ़ती प्रतियोगिता
3) नौकरियों की कमी
4) शिक्षा की कमी
5) सख्त सज़ा का अभाव

1) <u>नौकरियों की कमी</u>:- नौकरियां आजकल बहुत कम हो गई हैं, लोग रिश्वत लेकर नौकरियां देने लगे हैं। लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए गलत काम कर रहे हैं। योग्य युवाओं की संख्या की तुलना में बाज़ार में नौकरियां कम हैं। जबकि कई युवा इन दिनों बिना किसी नौकरी के घूमते हैं, अन्य लोग ऐसे काम करते हैं जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं है। इन व्यक्तियों में असंतोष और अधिक कमाई के लिए उसकी खोज उन्हें भ्रष्ट साधन अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

2) <u>शिक्षा की कमी</u>:- शिक्षित लोगों से भरे समाज में कम भ्रष्टाचार का सामना करने की संभावना है। जब लोग शिक्षित नहीं होते हैं, तो वे अपनी आजीविका चलाने के लिए अनुचित और भ्रष्ट साधनों का उपयोग करते हैं। हमारे देश में निम्न वर्ग शिक्षा के महत्व को कम करते हैं। इससे भ्रष्टाचार बढ़ता है।

3) लालच और बढ़ती प्रतियोगिता:- बाज़ार में लालच और बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण है। इन दिनों लोग बहुत लालची हो गए है। वे अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से अधिक कमाई चाहते है, इस पागल भीड़ में वे अपने सपनों को साकार करने के लिए भ्रष्ट साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

4) पहल की कमी: हर कोई चाहता है कि देश भ्रष्टाचार मुक्त हो और इस दिशा में कुछ न करने के लिए सरकार की आलोचना करें। लेकिन क्या हम अपने स्तर पर इस मुद्दे पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहे हैं। जाने या अनजाने में हम सब लोग भ्रष्टाचार को जन्म दे रहे हैं। कोई भी पहल करने और देश से इस बुराई को दूर करने के लिए एक टीम के रूप में काम करने के लिए तैयार नहीं है।

5) सख्त सजा का अभाव: हमारे देश में लोग भ्रष्ट आचरण जैसे रिश्वत लेना या देना, आयकर का भुगतान न करना, व्यापार चलाने के लिए भ्रष्ट साधनों का प्रयोग करना आदि से दूर हो जाते हैं, लोगों की गतिविधियों की निगरानी के लिए कोई सख्त कानून नहीं है। यहां तक कि अगर लोग पकड़े जाते हैं, तो उन्हें इसके लिए कड़ी सज़ा नहीं दी जाती। यही कारण है कि देश में भ्रष्टाचार अधिक है।

भ्रष्टाचार का अर्थ:-

भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है:- भ्रष्ट आचरण जो कि दो शब्दों से मिलकर बना है। भ्रष्ट आचरण इसका अर्थ है कि ऐसा आचरण जो किसी भी दृष्टि में अनैतिक और अनुचित हो जब कोई व्यक्ति न्याय व्यवस्था के मान्य नियमों के विरुद्ध जाकर अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए गलत आचरण करने लगता है। तो वह व्यक्ति भ्रष्टाचारी कहलाता है।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत: विकसित भारत का निर्माण:-

भ्रष्टाचार के कारणों को सभी जानते हैं। ऐसा कहा जाता है कि एक बार समस्या का कारण पहचानने के बाद आधा कार्य हो जाता है। अब समस्या पर बार-बार चर्चा करने के बजाय समाधान तलाशने का समय है।

सरकार को इस भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए एक जिम्मेदारी के रूप में लेना चाहिए, क्योंकि हमारा देश प्रगति नहीं कर सकता यदि यह समस्या बनी रहती है। भ्रष्टाचार की और ले जाने वाली प्रत्येक समस्या को अपनी जड़ से हटाना होगा। उदाहरण के लिए अच्छे रोजगार की कमी, जो भ्रष्टाचार की ओर ले जाती है। जनसंख्या की बढ़ती दर के कारण होता है। देश की जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। इसी तरह भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के लिए हर पहलू पर काम करना होगा।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत विकसित भारत निष्कर्ष:-

इस समस्या का एकमात्र समाधान किया जाना चाहिए कि हमारे सभी नेता तथा उच्चपदाधिकारी अपने पदों का सदुपयोग जनता के कल्याण में करें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं है, जब हमारी एकता, अखंडता, राष्ट्रीयता और स्वतंत्रता समाप्त हो जाएगी। हमें इसका खुलकर विरोध करना चाहिए जिससे हमारा देश उन्नतिशील एवं विकसित बन सके।

"चलो हम सब हाथ बढ़ाऐं,
भ्रष्टाचार को दूर भगाएं।।"

- लक्ष्य सिंह, X-A
पी एडं टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल

* * * * *

GLIMPSES OF CAPACITY BUILDING CAMPAIGN

TRAINING & AWARENESS PROGRAM AT BNP-DEWAS ON 'CYBER HYGIENE AND CYBER SECURITY' BY DR.VARUN KAPOOR, IPS, ADGP-RAPTC,INDORE ON 27.09.2023

PIDPI SEMINAR ORGANIZED AT GOVERNMENT HOME SCIENCE COLLEGE, NARMADAPURAM, MP BY SPM-NARAMAPURAM ON 06.10.2023

Vigilance Awareness in Government Organizations in India: A Pillar of Integrity

Shri Shashank Meena,
Manager (TO),
Corporate Office

In India's diverse governmental landscape, the principles of vigilance and awareness play a pivotal role in upholding the pillars of democracy, transparency, and accountability. The term "vigilance" encompasses the watchful and preventive measures taken to identify, deter and rectify corruption, misconduct, and unethical practices within government organizations.

To underscore the importance of vigilance awareness, India observes "Vigilance Awareness Week" every year in the last week of October. This week-long campaign serves as a reminder to government officials and citizens alike that vigilance is not just an obligation but a collective responsibility.

At the national level, the Central Vigilance Commission (CVC) plays a pivotal role in ensuring vigilance awareness. Established in 1964, the CVC is an independent body that advises and monitors various government agencies. It acts as a watchdog, investigating cases of corruption and recommending action when necessary. Its aim is to instill a sense of vigilance and transparency in the functioning of government organizations.

Vigilance awareness is integral to promoting transparency and accountability within government organizations. It ensures that public officials perform their duties with integrity and adhere to ethical standards. When individuals are aware of the consequences of corrupt practices, they are less likely to engage in them. Vigilance awareness programs and campaigns educate employees and citizens about the adverse effects of corruption and the benefits of an honest and transparent government.

Corruption is a pervasive issue that can erode the foundations of any society. Vigilance awareness is a potent weapon against corruption. Government organizations in India must actively engage in preventive vigilance measures. This involves creating a robust system of checks and balances, conducting regular audits, and encouraging whistleblowers to come forward with information about wrongdoing. The fear of getting caught and facing severe consequences acts as a deterrent to corruption.

Whistleblowers play a crucial role in exposing corruption and unethical practices. Vigilance awareness efforts in India aim to protect and encourage whistleblowers to report misconduct without fear of retaliation. The Whistleblowers Protection Act, 2014, provides legal safeguards to individuals who expose corruption. This empowers honest citizens to take a stand against any wrongdoing.

In today's digital age, technology has become a powerful ally in the fight against corruption. Government organizations are increasingly adopting digital tools and platforms to enhance transparency and accountability. Online grievance redressal systems, e-procurement portals (GeM), and digital payment systems reduce the scope for corruption and bribery. Moreover, these advancements make it easier to track financial transactions and identify irregularities.

Vigilance awareness in government organizations in India is not a mere formality but a fundamental requirement for a healthy democracy. It upholds the values of integrity, transparency, and accountability that are essential for the efficient functioning of the state. By promoting vigilance awareness, fostering transparency, and strengthening preventive measures, India continues its march towards a corruption-free and ethically sound governance system, thereby fulfilling the aspirations of its citizens and safeguarding the nation's future.

* * * * *

भ्रष्टमुक्त भारत

श्री आशीष उपाध्याय,
वरिष्ठ पर्यवेक्षक
(अनु एवं विका),
प्रतिभूति कागज़ कारखाना,
नर्मदापुरम

अँधियारे को दूर करे जो वो प्रकाश फिर लाएंगे हम
रक्त रगों में शेष है जब तक वंदे भारत गायेंगे हम

संस्कृतियों की जननी जिसने सदा सत्य बतलाया है
मेरा भारत विश्व पटल पर विश्वगुरु कहलाया है
लेकिन मातृभूमि को अक्सर इसी बात पर कष्ट हुआ
सभ्यता सिखलाने वाला राष्ट्र जब कभी भ्रष्ट हुआ

गोली बारूद से डरे नहीं हम ना ही फांसी के फंदों से
हम तो धोखा खाते आए हैं अपने घर के जयचंदों से
विकसित बनने की राहों में घोटालों की छाया है
भ्रष्ट राष्ट्रों की सूची में भारत का नाम भी आया है
भारतवर्ष की इस भूमि को फिर से महान बनाएंगे हम
रक्त रगों में शेष है जब तक वंदे भारत गायेंगे हम।

आज समय है बदला, अब चाँद पर अपनी दस्तक है
ईमानदारी से कार्य हुआ तो ऊँचा अपना मस्तक है
भ्रष्टाचारी को जगह नहीं अब बेईमान घबराता है
सरकारी दफ्तर में भी अब कोई ना रिश्वत खाता है
ले संकल्प खड़े हैं कि भ्रष्टाचार मिटायेंगे
ईमानदारों की सूची में भारत को शीर्ष पर लाएंगे
सतर्कता विभाग हमारा है निडरता की पहचान
अपनी ईमानदार छवि से बढ़ा रहा निगम की शान।

रामराज्य की तरह पुनः पत्थर को तैरायेंगे हम
रक्त रगों में शेष है जब तक वंदे भारत गायेंगे हम।

* * * * *

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 की विजेताओं की झलकियां

निगम मुख्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता

श्री सचिन अग्रवाल,
कंपनी सचिव

श्री प्रदीप सैनी,
उप प्रबंधक (वित्त)

श्री सचिन शर्मा,
कार्यालय सहायक
(मा.सं.)

निगम मुख्यालय में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की झलकियां

Empowering Vigilance through Satarkvani for a Resilient India and SPMCIL

Satarkvani in the India and SPMCIL

Shri Neeloo Dwivedi,
JGM (IT),
IGM-Mumbai

Satarkvani in India as well as in SPMCIL represents a collective effort to ensure vigilance across various sectors of society and business Units across diverse geographical state, culture, language and religions etc. It is rooted in the principles of watchfulness, awareness, and active participation, Satarkvani aims to foster a sense of responsibility among citizens or employees towards maintaining ethical conduct, preventing corruption, development and addressing societal and organizational issues to fight with poverty in India and loss in an organization.

Role of Satarkvani in Indian Environment

- Satarkvani is essential for fighting corruption, improving governance transparency, protecting the environment, protecting consumers, preparing for disasters, public health, cyber security, social issues, education and awareness, empowerment of the community, and sharing information. Satarkvani ensures accountability within government bodies and public institutions by encouraging citizens or employees to report instances of bribery, fraud, and misuse of power. Additionally, it aids in raising health awareness and promoting preventive measures and vaccination program's.

Satarkvani as a Catalyst for Change

- Satarkvani has the potential to be a catalyst for positive change in India and SPMCIL. By fostering a culture of vigilance and active citizenship, it empowers individuals to contribute to the nation's or SPMCIL progress. It cultivates a sense of ownership over Employees as well as public affairs, encouraging employees and citizens to engage with issues beyond their immediate or personal concerns.

Utilization of Digital tools or Technology in effectiveness of Satarkvani

- In recent years, technology has transformed the way Satarkvani operates in India. The rise of social media platforms, online communities, and mobile apps has enabled citizens to quickly share information, raise awareness, and collaborate on vigilance efforts. This digital empowerment has facilitated the rapid dissemination of alerts, allowing individuals to respond to issues swiftly.

Challenges and Opportunities

- While Satarkvani holds immense potential, it also faces challenges in the India as well as organisation including SPMCIL. Misinformation, biases, discrimination and the risk of vigilantism are concerns that need to be addressed. To mitigate these challenges, individuals participating in Satarkvani should prioritize accuracy, objectivity, and respectful communication.

Conclusion

In India, Satarkvani exemplifies the spirit of vigilance, accountability, and collective responsibility. By embracing this concept, citizens can create a society that values transparency, integrity, and ethical conduct. Satarkvani serves as a reminder that every individual has a role to play in shaping the destiny of the Nation, Security of Nation, Development of Nation along with prosperity of Nation and through vigilant participation, a brighter and more responsible India and SPMCIL can be forged.

* * * * *

कार्यस्थल में ईमानदारी और अखंडता

ईमानदारी और अखंडता टीम के सदस्यों को एक दूसरे के साथ और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये गुण समग्र उत्पादकता में सुधार करने और एक टीम के रूप में अधिक सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं। अपने काम में इन गुणों को एकीकृत करने के तरीके को समझकर, आप एक अधिक विश्वसनीय और जवाबदेह कर्मचारी बन जाते हैं।

श्री सचिन अग्रवाल ,
कंपनी सचिव,
निगम मुख्यालय

ईमानदारी और अखंडता क्या हैं?

ईमानदारी और अखंडता वाला कोई व्यक्ति नैतिक और नीतिपरक दोनों सिद्धांतों को दर्शाता है। यहाँ कुछ विशेषताएं हैं:

विश्वास

अखंडता आपको सहकर्मियों के साथ मजबूत संबंध बनाने में मदद करती है। इन मूल्यों का प्रदर्शन करके, आप अपने आस-पास के लोगों के साथ विश्वास का निर्माण करते हैं और काम पर रखे जाने या पदोन्नत होने की संभावनाओं को बढ़ाते हैं। नियोक्ता उन कर्मचारियों की सराहना करते हैं जो ईमानदारी दिखाते हैं क्योंकि वे प्रदर्शित करते हैं कि वे भरोसेमंद हैं और विशिष्ट समय सीमा के अनुसार कार्यों को पूरा कर सकते हैं।

उत्तरदायित्व

जो कर्मचारी जिम्मेदारी का प्रदर्शन करते हैं, वे त्रुटियों में उनकी जिम्मेदारी को पहचानते हैं। उदाहरण के लिए, यदि टीम के सदस्य समय सीमा को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो एक कर्मचारी छूटी हुई समय सीमा की जिम्मेदारी ले सकता है। इस स्थिति में, कर्मचारी परियोजना के दौरान उत्पन्न होने वाले मुद्दों को संबोधित करता है और टीम को उन त्रुटियों से सीखने का अवसर प्रदान करता है।

जवाबदेही

जो कर्मचारी ईमानदारी और अखंडता का प्रदर्शन करते हैं, वे अपनी गलतियों को स्वीकार करने और खुद को जवाबदेह रखने में सक्षम होते हैं। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति जो एक निर्णायक परियोजना चरण के दौरान गलती करता है, वह अपनी टीम को बताता है कि तुरंत क्या हुआ। इस परिदृश्य में, कर्मचारी त्रुटि को छिपाने की कोशिश कर सकता था, लेकिन अपनी गलती स्वीकार करके, वे अपनी टीम को स्थिति को ठीक करने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं। यह प्रभावित करता है कि टीम एक समाधान कैसे निर्धारित करती है क्योंकि समूह जानता है कि त्रुटि कहां से शुरू हुई।

विश्वसनीयता

विश्वसनीय कर्मचारी अपनी समय सीमा को पूरा करते हैं और ऐसा करने के लिए सर्वोत्तम पद्धतियों और प्रक्रियाओं पर शोध करके समय पर कार्यों को पूरा करते हैं। विश्वसनीय टीम के सदस्य अपने सहकर्मियों को यह भी सिखा सकते हैं कि विशिष्ट कार्य कैसे करें और सहायता प्रदान करें। विश्वसनीयता का प्रदर्शन उत्पादकता को बढ़ावा देता है और विश्वसनीयता बढ़ाकर कंपनी संस्कृति में सुधार करता है।

सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के क्या लाभ हैं?

अखंडता और ईमानदारी के कई लाभ इस प्रकार दिए गए हैं:

नेतृत्व में सुधार

मजबूत अखंडता और ईमानदारी का प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी अच्छे मार्ग दर्शक होते हैं क्योंकि वे कंपनी के मूल्यों और नैतिकता को बनाए रखते हैं। वे समझते हैं कि उनके कार्य टीम के सदस्यों और कर्मचारियों को कैसे प्रभावित करते हैं। वे सभी परियोजनाओं और कार्यों के सफल समापन को भी सुनिश्चित करते हैं। इन गुणों का प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी अपने ग्राहकों को महत्व देते हैं और कंपनी की नैतिकता का पालन करने के लिए अपनी टीम का नेतृत्व करते हैं। यदि आप काम पर अखंडता प्रदर्शित करना चाहते हैं, तो विचार करें कि आप अपने विभाग के भीतर किन परिवर्तनों को लागू कर सकते हैं। जब आपके सहकर्मी

देखते हैं कि कंपनी आपके मजबूत नेतृत्व कौशल और पहल का स्वागत करती है, तो वे अपने स्वयं के कौशल दिखाने की संभावना रखते हैं।

सकारात्मक कंपनी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है

जो कर्मचारी अखंडता और ईमानदारी का प्रदर्शन करते हैं, वे एक सकारात्मक कंपनी संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, जो यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि कर्मचारी अपने सहकर्मियों के साथ काम करने का आनंद लें। काम पर अखंडता भी कंपनी की संस्कृतियों में सुधार करती है क्योंकि कर्मचारी भरोसेमंद होते हैं और अपने विचारों को खुले तौर पर साझा करते हैं।

नैतिक निर्णय लेने को प्राथमिकता देता है

जब आप मजबूत नैतिकता का प्रदर्शन करते हैं, तो आप कंपनी की नैतिकता के साथ-साथ अपनी नैतिकता के आधार पर निर्णय लेते हैं। उदाहरण के लिए, आप उत्पाद निर्माण और तृतीय-पक्ष विक्रेताओं या सलाहकारों के संबंध में नैतिकता-आधारित निर्णय लेते हैं। ये मान यह भी प्रभावित करते हैं कि क्या आप हितधारकों की रक्षा करते हैं, नए उत्पाद बनाते हैं, और सहकर्मियों को विचारशील निर्णय लेने में मदद करते हैं।

विविधता को प्रोत्साहित करता है

कार्यस्थल में अखंडता और ईमानदारी को प्राथमिकता देने वाली कंपनियां अपनी टीमों के भीतर विविधता को बढ़ावा देती हैं। उदाहरण के लिए, कंपनियां विभिन्न पृष्ठभूमि के कर्मचारियों को विचारों को साझा करने और टीम की बैठकों के दौरान खुद को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। यह संगठनों को लाभ पहुंचाता है क्योंकि उन्हें जटिल मुद्दों, उत्पाद विकास और परियोजना विकास के समाधान के बारे में विचारों की एक श्रृंखला मिलती है। यह टीमवर्क में भी सुधार करता है और कर्मचारी मनोबल में योगदान देता है।

काम पर अखंडता और ईमानदारी का प्रदर्शन कैसे करें

कार्यस्थल में अखंडता और ईमानदारी दिखाने के कुछ तरीके यहां दिए गए हैं:

अपने सहकर्मियों का सम्मान करें

काम पर ईमानदारी दिखाने का एक अच्छा तरीका अपने सहकर्मियों का उनकी राय और विचारों के साथ सम्मान करना है। उदाहरण के लिए, यदि सहकर्मी आपके साथ जटिल मुद्दों के समाधान पर चर्चा करते हैं, तो उनके विचार पर विचार करें और उनकी राय का सम्मान करें। यह ईमानदार रहने की आपकी क्षमता को दर्शाता है और आपको मजबूत संबंध बनाने का अवसर प्रदान करता है।

संघर्ष नेविगेट करें

काम पर संघर्ष आपके और आपके सहकर्मियों दोनों के लिए अधिक जटिल मुद्दे पैदा कर सकता है। यह संघर्ष आपके पर्यवेक्षकों को विशेष व्यवहार की रिपोर्ट करने या टीम के सदस्यों के साथ मौजूदा संबंधों को तनाव देने के लिए मजबूर कर सकता है। संघर्ष को नेविगेट करते समय, ईमानदारी के साथ जवाब देना और शांत रहना याद रखें। विचार करें कि आप अपने मूल्यों से समझौता किए बिना समाधान कैसे विकसित कर सकते हैं।

काम के लिए तैयार रहें

कर्मचारी काम की तैयारी करके अखंडता का प्रदर्शन कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि उनके पास सफल होने के लिए आवश्यक सभी उपकरण हैं। काम की तैयारी के एक प्राथमिक घटक में आत्म-देखभाल का अभ्यास करना शामिल है। काम पर जाने से पहले, ठीक से खाना और रात के समय पर्याप्त सोना महत्वपूर्ण है। काम पर पहुंचने पर, आपको दिन के लिए आवश्यक कार्यों की एक सूची लिखना फायदेमंद लग सकता है। अपनी समग्र उत्पादकता बढ़ाने के लिए अपने कार्यों को प्राथमिकता स्तरों से विभाजित करने पर विचार करें।

अनैतिक व्यवहार की रिपोर्ट करें

काम पर अखंडता का एक उदाहरण सहकर्मियों और पर्यवेक्षकों दोनों के बीच अनैतिक व्यवहार की रिपोर्ट करना है। हालांकि यह असहज स्थिति पैदा कर सकता है, नैतिक मुद्दों के उत्पन्न होने पर सहकर्मियों को जवाबदेह ठहराना अखंडता का एक महत्वपूर्ण घटक है। यदि आप अनैतिक व्यवहार की रिपोर्ट करने की योजना बनाते हैं, तो अपनी रिपोर्ट में विशिष्ट होना याद रखें। चर्चा करें कि किसी कर्मचारी ने विशेष कंपनी के मूल्यों और नैतिकता का उल्लंघन कैसे किया, और आपको उल्लंघन के बारे में कैसे पता चला। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी कर्मचारी को किसी ग्राहक से अनुचित रूप से बात करते हुए देखते हैं, तो आप कर्मचारी का नाम, उनके द्वारा उल्लंघन की गई नैतिकता को शामिल कर सकते हैं, और वर्णन कर सकते हैं कि आपने कर्मचारी को कब और कहाँ अपराध करते देखा था।

पारदर्शी रहें

पारदर्शिता उन लोगों के लिए आवश्यक है जो अखंडता और ईमानदारी दोनों दिखाना चाहते हैं, और आपके सहकर्मियों और ग्राहकों को सार्थक संबंधों को विकसित करने के लिए आपकी प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

उपलब्धियों की सराहना करें

जो कर्मचारी निष्ठा और ईमानदारी का प्रदर्शन करते हैं, वे कार्यस्थल संस्कृति में सुधार के लिए अपने सहकर्मियों की उपलब्धियों पर चर्चा करते हैं। जब आप उन परियोजनाओं को पूरा करते हैं जिनमें कई सहकर्मी शामिल होते हैं, तो चर्चा करें कि उन सहकर्मियों ने आपकी सहायता कैसे की। उदाहरण के लिए, आप अपने पर्यवेक्षक को यह बताने के लिए ईमेल कर सकते हैं कि आपके सहयोगियों ने कैसे काम किया और परियोजना को पूरा करने के लिए आपको उनकी सहायता की आवश्यकता क्यों है।

सहयोग को प्रोत्साहित करें

सहयोग के लिए अखंडता और ईमानदारी की आवश्यकता होती है क्योंकि आप अपने मूल्यों को बनाए रखते हैं और दूसरों के मूल्यों को नेविगेट करते हैं। सहयोग उत्पादकता में सुधार करता है और बिक्री बढ़ाता है। आप अपनी टीम के सदस्यों को एक साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करके और अपने आप से पहले कंपनी को प्राथमिकता देकर अखंडता और ईमानदारी दिखा सकते हैं।

समय सीमा नेविगेट करें

काम पर अखंडता प्रदर्शित करने के लिए, आपको अपनी समय सीमा को पूरा करना उपयोगी होता है। विचार करें कि आप अपने काम को समय से पहले कैसे पूरा कर सकते हैं और आप अपनी समय सीमा का सबसे अच्छा सम्मान कैसे कर सकते हैं। यह पर्यवेक्षकों को दिखाता है कि आप जवाबदेह हैं और आप अपने वादों को पूरा करते हैं। यदि आपको परियोजना पूरी करने में मदद की आवश्यकता है, तो अपनी समय सीमा को उनकी वास्तविक नियत तारीख से सात दिन पहले शेड्यूल करने पर विचार करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आप उन्हें समय पर पूरा करें।

संचार कौशल का अभ्यास करें

सहकर्मियों के साथ संवाद करते समय आप रोजाना अखंडता और ईमानदारी का अभ्यास कर सकते हैं क्योंकि टीम के सदस्य ईमानदार संचार की उम्मीद करते हैं। विचार करें कि आप स्वस्थ संचार को बढ़ावा देने के लिए अपनी सीमाओं पर स्पष्ट रूप से चर्चा कैसे कर सकते हैं। अपने सहकर्मियों को प्रतिक्रिया प्रदान करते समय, ईमानदार, रचनात्मक आलोचना प्रदान करें। अपने मूल्यों के बारे में प्रामाणिक और सुसंगत रहकर, आप अधिक अखंडता का प्रदर्शन करते हैं।

* * * * *

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022
की बाहरी गतिविधियों के विजेताओं की झलकियां

पी एडं टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की गई निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता

हिन्दु कॉलेज में आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता के विजेता

एसपीएमसीआईएल के सतर्कता विभाग की टीम

Left to Right: Sh.Partha Pratim Das, Dy. CVO, Sh.Sudhir Sahu, CGM, IGM-M, Sh.Vinay K. Singh, CVO-SPMCIL, Sh.Sunil Tiwari, GM-IGMM, Ms.Inderdeep Kaur, DGM(HR)-IGMM, Sh.Amitabh Shah, JGM(Vigilance)-CHO, Sh.Govind Raghuvanshi, Manager (Vigilance)-SPMN, Sh.B.Rajshekhar, Manager (Vigilance)-CHO, Sh.Ghanshyam Jareda, DGM(Vigilance)-BNPD, Sh.Sandeep Choudhary, Manager (ISP/CNP), Sh.Pabitra Paul, DGM(Vigilance),-IGMK, Sh.Mehul Rathod, DM(HR)-IGMM, Sh.Anjinappa D, Manager(Vigilance)-SPP/IGMH, Sh.Mohan Suru, Supervisor(Vigilance)-IGMM, Sh.Peddi Raju, Supervisor(Vigilance), SPPH, Sh. Akhil Bhagat, Manager (Vigilance)-IGMM, Sh.Avi Jangra, Supervisor (Vigilance)-BNPD, Sh.Akash Saxena, Supervisor(Vigilance)-CHO, Sh.Deokant Mishra, Supervisor (Vigilance)-ISP, Sh.Sumit Kohli, Sr.Supervisor(Vigilance)-CHO & Sh.Promit Chatopadhyay, Supervisor(Vigilance)-CNPN

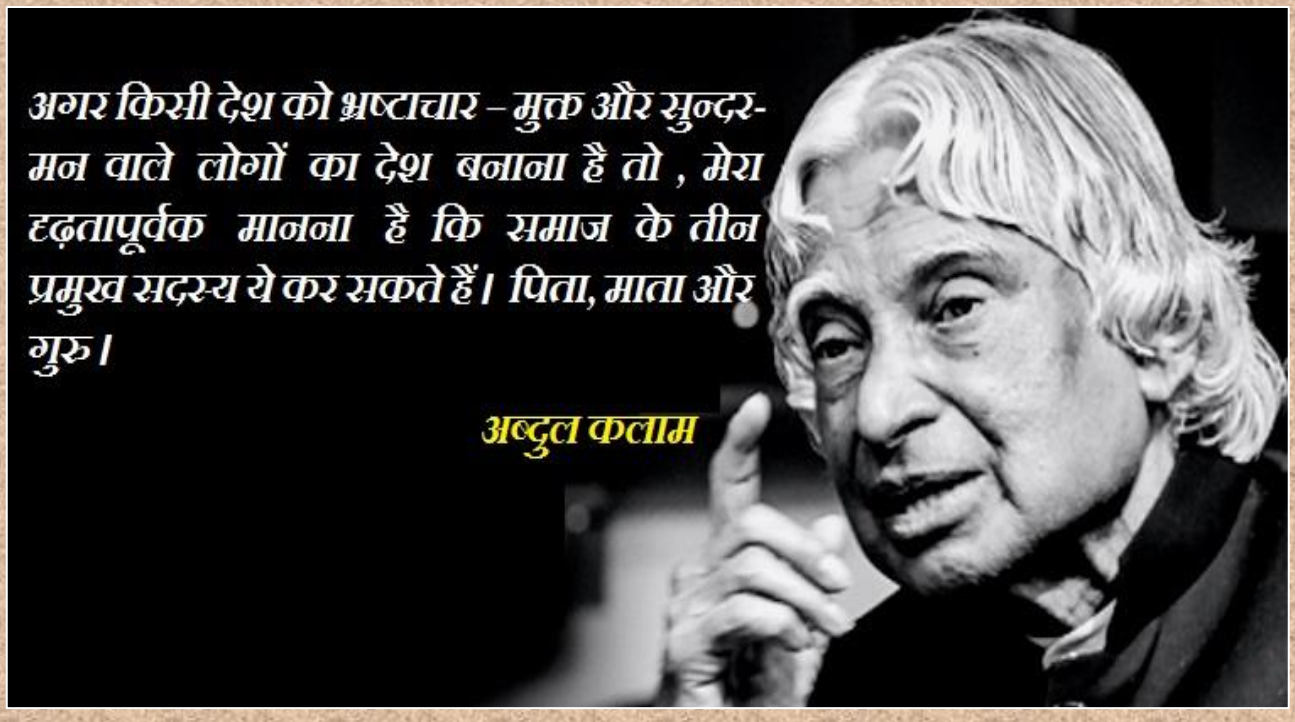

भ्रष्टाचार के रोकथाम की दिशा में सही कदम

- श्री रविन्दर पाल सिंह कैन्थ
कार्यपालक सचिव (तकनीकी),
निगम मुख्यालय

भ्रष्टाचार की शुरुआत :

जैसा कि हम सभी जानते ही हैं, भ्रष्टाचार की शुरुआत आज से नहीं बल्कि सैंकड़ों वर्ष पहले ही हो चुकी है। भारत में भी भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत पुरानी हैं। मुगलकाल में अनेकों महाराजाओं के युगों में भी इसका प्रभाव देखने को मिलता है।

भारत में ब्रिटिश राज के दौरान भी भ्रष्टाचार का प्रचलन काफी ज्यादा था। अनेकों रईसों, राजाओं, जमीदारों और प्रभावशाली लोगों ने अपने निजी हित के लिए भ्रष्टाचार को अपनी प्रगति और विकास के साथ-साथ उसे धन-पूंजी इकट्ठा करने तथा समृद्धि का मार्ग भी बनाया, जिसके कारण उनके द्वारा अनेकों लोगों का शोषण किया गया और उन पर अत्याचार भी किया गया। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि भ्रष्टाचार का जन्म मुख्यतः ज़रूरत से अधिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ही हुआ है। परंतु ऐसा लगता है कि उन युगों में भ्रष्टाचार का प्रकोप तथा दायरा इतना नहीं था जितना वर्तमान में देखने को मिल रहा है।

भ्रष्टाचार क्या है?

भ्रष्टाचार शब्द भ्रष्ट+आचार के जोड़ से बना है, जिसमें भ्रष्ट बुराई का संकेत देता है और आचार मनुष्य के दिन प्रतिदिन की गतिविधियों और व्यवहार को दर्शाता है। इससे अभिप्राय है कि जीवन में बुरे आचरण को अपनाना ही भ्रष्टाचार है। अनैतिक रूप से कमाई धन-संपत्ति अथवा अनैतिक मानसिक, सामाजिक या शारीरिक शोषण भ्रष्टाचार को ही प्रदर्शित करते हैं। एक बुरा व्यवहार ही मनुष्य में भ्रष्टाचार की शुरुआत करता है जो उसे निरन्तर इस ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहता है।

भ्रष्टाचार – आवश्यकता और कारण :

कहते हैं कि आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में यह बात बिलकुल भी सही नहीं साबित होती, क्योंकि भ्रष्टाचार एक बुराई और दुःख का मार्ग है, जिसे व्यक्ति आवश्यकता और जरूरत में भी कभी नहीं अपनायेगा। यह केवल लालच और लोभ ही है, जिसमें आदमी अंधा होकर अपनी अत्यधिक आवश्यकताओं और महत्वकाक्षाओं की पूर्ति के लिए भ्रष्टाचार रूपी कटीला मार्ग अपनाता है।

भ्रष्टाचार के मूल कारण :

- अपने वर्तमान साधनों और वित्तीय क्षमताओं से अधिक और उच्च जीवन श्रेणी को अनैतिक ढंग से प्राप्त करने की चाह।
- शासकीय कार्यों में पारदर्शिता की कमीं।
- न्याय व्यवस्था में लंबे विलंब के कारण न्याय मिलने में देरी या दोषी को सज़ा न मिलना।

भ्रष्टाचार निवारण के उपाय :

जिस तरह चिकित्सा विज्ञान में अनेकों बीमारीयां मानव शरीर के लिए घातक सिद्ध हुई हैं, बिलकुल वैसे ही अनेकों समाजिक बुराईयों के सम्मिश्रण के रूप में भ्रष्टाचार हमारी सभी सामाजिक व्यवस्थाओं को अपंग बना रहा है और हमारी मानसिक स्थिति को भी नकारात्मक तरीके से प्रभावित कर रहा है। यदि इसे तुरंत उखाड़ नहीं फेंका गया तो ये धीरे-धीरे हमारी सभी व्यवस्थाओं को भी खोखला कर देगा।

इस दिशा में जहां सर्वप्रथम हमें अपनी मानसिकता, विचारों और धारणाओं को बदलना होगा, वहीं भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं

- स्कूलों और कॉलेजों के स्तर पर ही हमारी युवा पीढ़ी को भ्रष्टाचार के विरूद्ध जागरूक करना और इसे एक अपमान और घृणित कार्य की दृष्टि से देखने की भावना जगाना।

- युवा वर्ग को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना, जिससे कि वे आर्थिक रूप से सक्षम हो सकें और उनका ध्यान भ्रष्टाचार से लिप्त गतिविधियों की ओर आकर्षित न हो।

- भ्रष्टाचार रोकने हेतु सख्त कानून बनाना, जिससे भ्रष्टाचारियों को कड़ा दंड मिल सके और लोग भ्रष्ट तरीकों को अपनाने के बारे में सोच भी न सकें।

- अनुशासन और नियमों का कड़ाई से पालन करना।

- सरकारी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता लाना, जिससे लोगों को तथ्य छुपाने का मौका न मिले। सूचना का अधिकार अधिनियम को शासकीय कार्यों में प्रभावी और निष्पक्ष रूप से लागू कराना जिससे आम आदमी को सही और बिना विलंब वांछित सूचना/जानकारी प्राप्त हो सके और भ्रष्टाचार एवं अनैतिक कार्यों का जनता के सामने खुलासा हो सके।

*****

पी एडं टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा बनाए गए कुछ पोस्टर

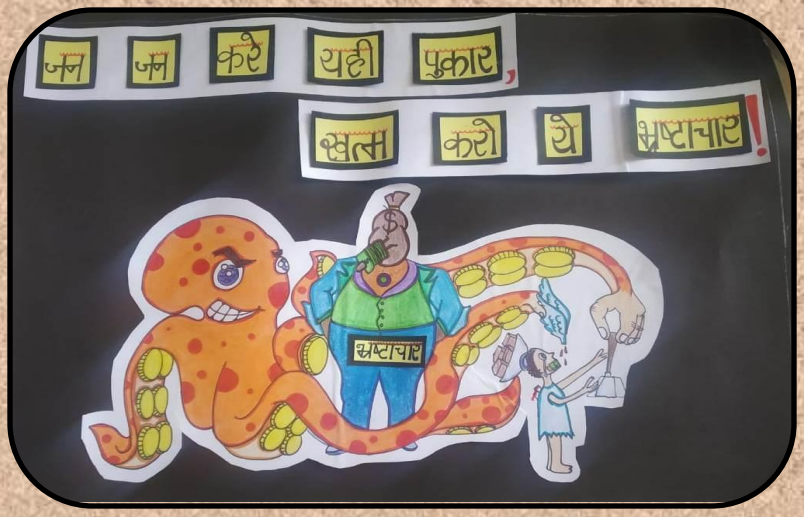

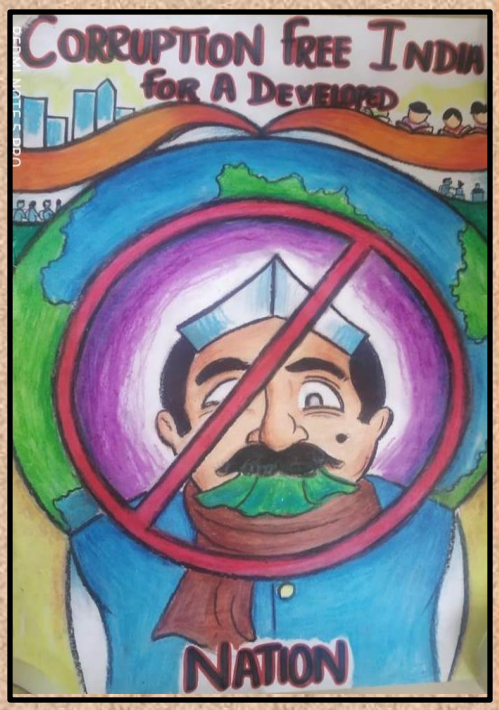

भ्रष्टाचार पर अनुच्छेद

- श्रीमती गंगा शर्मा
कार्यपालक सहायक(मा.सं.),
निगम मुख्यालय

आज के आधुनिक युग में व्यक्ति का जीवन अपने स्वार्थ तक सीमित होकर रह गया है। प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ प्रमुख हो गया है। समाज में अनैतिकता, अराजकता और स्वार्थ से युक्त भावनाओं का बोलबाला हो गया है। परिणामस्वरूप भारतीय संस्कृति और उसका पवित्र तथा नैतिक स्वरूप कुंभला-सा हो गया है।

इसका एक कारण समाज में फैल रहा भ्रष्टाचार भी है। भ्रष्टाचार के इस विकराल रूप को धारण करने का सबसे बड़ा कारण यही है कि इस अर्थप्रधान युग में प्रत्येक व्यक्ति धन प्राप्त करने में लगा हुआ है। कमरतोड़ महंगाई भी इसका एक प्रमुख कारण है।

मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ जाने के कारण वह उन्हें पूरा करने के लिए मनचाहे तरीकों को अपना रहा है। भारत के अंदर तो भ्रष्टाचार का फैलाव प्रतिदिन बढ़ रहा है। चाहे किसी भी क्षेत्र में चले जाएं, भ्रष्टाचार का फैलाव वहीं दिखाई देता है। भारत के सरकारी व गैर-सरकारी विभाग इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण हैं।

आप यहाँ से अपना कोई भी काम करवाना चाहते हैं, बिना रिश्वत खिलाए काम करवाना संभव नहीं है। मंत्री से लेकर संतरी तक को अपनी फाइल बढ़ाने के लिए आपको पैसे का उपहार चढ़ाना ही पड़ेगा। स्कूल व कॉलेज भी इस भ्रष्टाचार से अछूते नहीं हैं। बस इनके तरीके दूसरे हैं।

गरीब परीवारों के बच्चों के लिए तो शिक्षा कॉलेजों तक सीमित होकर रह गई है। नामी स्कूलों में दाखिला कराना हो तो डोनेशन के नाम पर मोटी रकम मांगी जाती है। बैंक जो की हर देश की अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ हैं, वे भी भ्रष्टाचार के इस रोग से पीड़ित हैं।

आप किसी प्रकार के लोन के लिए आवेदन करें, पर बिना किसी परेशानी के फाइल निकल जाए यह तो संभव नहीं हो सकता। देश की आंतरिक सुरक्षा का भार हमारे पुलिस विभाग पर होता, परन्तु आए दिन यह समाचार आते-रहते हैं कि अमुक पुलिस अफसर ने रिश्वत लेकर एक गुनहगार को छोड़ दिया। भारत को यह भ्रष्टाचार खोखला बना रहा है।

हमें हमारे समाज में फन फैला रहे इस विकराल नाग को मारना होगा। सबसे पहले आवश्यक है प्रत्येक व्यक्ति के मनोबल को ऊँचा उठाना। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपने को इस भ्रष्टाचार से बाहर निकालना होगा। यही नहीं शिक्षा में कुछ ऐसा अनिवार्य अंश जोड़ा जाए जिससे हमारी नई पीढ़ी प्राचीन संस्कृति तथा नैतिक मूल्यों को संस्कार स्वरूप लेकर विकसित हो। न्यायिक व्यवस्था को कठोर करना होगा तथा सामान्य जन को आवश्यक सुविधाएँ भी सुलभ करनी होंगी। इसी आधार पर आगे बढ़ना होगा तभी इस स्थिति में कुछ सुधार की अपेक्षा की जा सकती है।

* * * * *

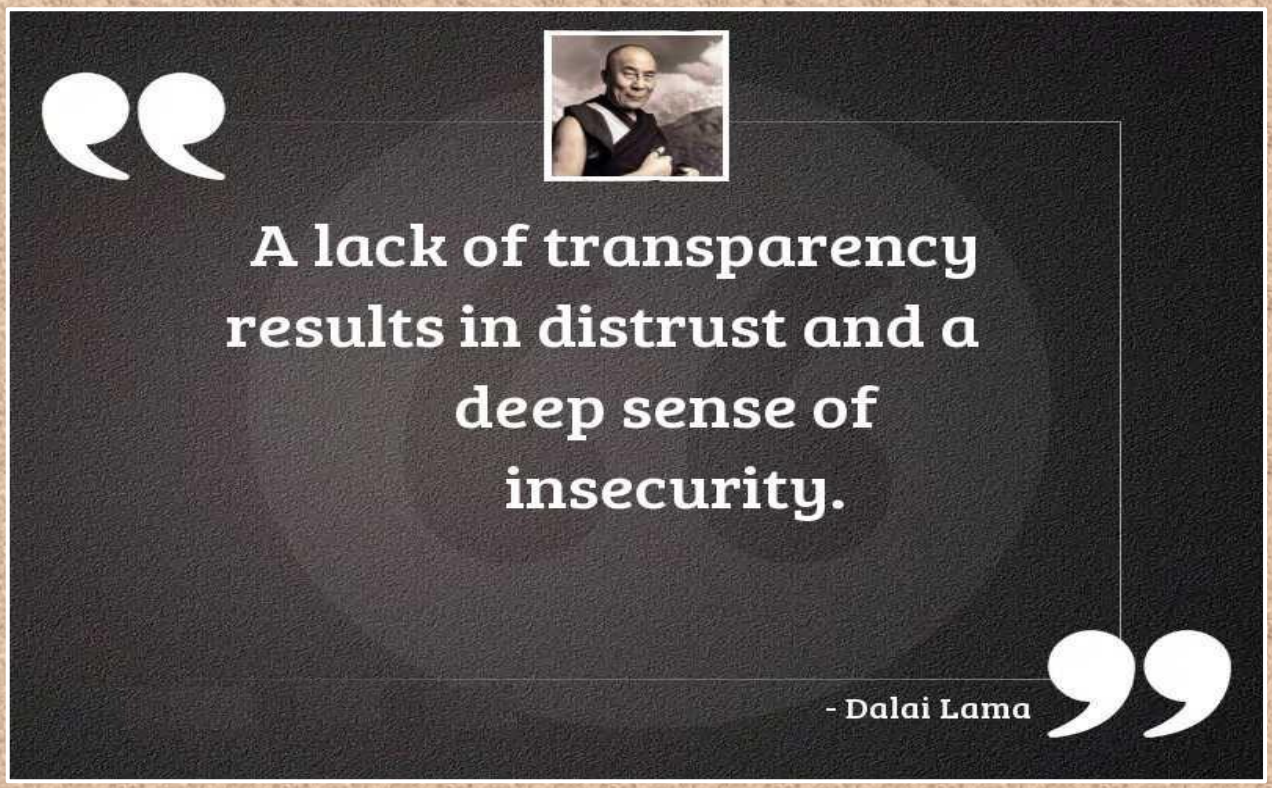

सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2023

"भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें"

प्रस्तावना

- अवि जांगड़ा
पर्यवेक्षक (सतर्कता)
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

किसी भी राष्ट्र के उन्नत विकास हेतु उस राष्ट्र के नागरिकों का सतर्क और जागरूक होना अति आवश्यक होता है। इस भ्रष्टाचार के प्रति भारत के समस्त नागरिकों को सतर्क और जागरूक करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा हर वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

सतर्कता जागरूकता का इतिहास

19वीं शताब्दी का है। दरअसल इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत 1999 में ही हो गई थी। लेकिन इसे एक मिशन के रूप में चलाने का निर्णय साल 2006 में निश्चित रूप से लिया गया। जो मुख्य रूप से समाज के सभी वर्गों को भ्रष्टाचार मुक्त समाज में रहने की ओर आकर्षित करता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह क्या है

सतर्कता जागरूकता सप्ताह एक ऐसा खास सप्ताह होता है जिसमें भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता और सतर्कता फैलाने का अद्भुत प्रयास किया जाता है। हर साल सतर्कता जागरूकता सप्ताह अक्टूबर महीने के आखिरी सप्ताह में मनाया जाता है। जिसकी शुरुआत सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के साथ कर दी जाती है। इस वर्ष 2023 में सतर्कता जागरूकता सप्ताह *" भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें "* थीम के साथ मनाया जाएगा।

जनहित प्रकटीकरण और मुखबिरों का संरक्षण क्या है (PIDPI /पीआईडीपीआई)

जनहित प्रकटीकरण और मुखबिरों के संरक्षण के संकल्प के तहत की गई शिकायतों को पीआईडीपीआई/PIDPI शिकायतें कहा जाता है। अगर पीआईडीपीआई/PIDPI के तहत कोई शिकायत की जाती है तो शिकायत की पहचान गोपनीय रखी जाती है। शिकायत को सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग को संबोधित किया जाना चाहिए और लिफाफे को "पीआईडीपीआई/PIDPI" के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह कैसे मनाएं

देश के विभिन्न हिस्सों में सरकारी तथा प्राइवेट जागरूकता संगठनों द्वारा इस सप्ताह को विशेष उद्देश्य के साथ मनाया जाता है। जिसमें प्रतिज्ञा की मुख्य भूमिका होती है। इस सप्ताह जगह जगह पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजन करते हुए लोगों को शपथ के पालन करने का आह्वान किया जाता है।

निष्कर्ष

इस सप्ताह को मनाने से देशभर में एक नई ऊर्जा जागृत होती है जो कि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए काफी मददगार साबित होती है। इस सप्ताह में लोगों को प्रतिज्ञा दिलाई जाती है और इस शपथ के माध्यम से सतर्कता और जागरूकता को बढ़ाया जाता है।

* * * * *

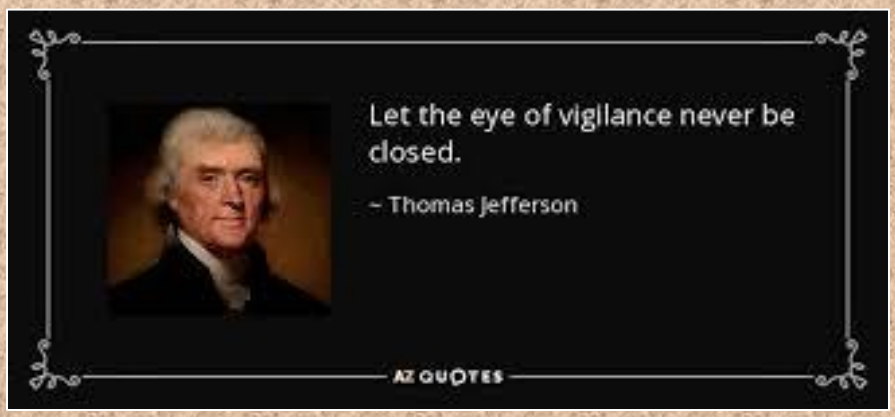

The Public Interest Disclosures and Protection of Informers Resolution (PIDPI)

The Government of India vide Gazette notification No.371/12/2002-AVD-III dated 21.04.2004 r/w corrigendum dated 29.04.2004 notified The Public Interest Disclosures and Protection of Informers Resolution (PIDPI), 2004 which gave the powers to the Commission to act on complaints from whistle-blowers.

- Smt. Sampreet Kaur,
Sr. Office Assistant

Evolution of the PIDPI Resolution

The need to institutionalize the system of whistleblowing and protection of informants has been engaging the attention of the government and the civil society at large. The issue of protection for whistleblowers caught the attention of the nation when National Highways Authority of India (NHAI) engineer Satyendra Dubey, a whistleblower, was murdered in November 2003 after he exposed corruption in the construction of highways. While making the complaint, he had requested the authorities that his identity be kept secret. However his representation was forwarded to various concerned departments without masking identity. This led to a public outcry and in response to a PIL, the Honb'le Supreme Court pressed the government to put in place protection mechanisms for Whistleblowers. As an outcome the Department of Personnel and Training (DoPT) in 2004 issued and notified The Public Interest Disclosures and Protection of Informers Resolution (PIDPI).

Designated Agency

The Govt. of India under the Public Interest Disclosure and Protection of Informers (PIDPI) resolution authorized Central Vigilance Commission (CVC) as 'Designated Agency' to receive written complaints from general public on any allegation of corruption and misuse of office by any

employee of the Central Government or any other Corporation, Company, Society etc. owned or controlled by Central Government. Under the PIDPI resolution, the identity of the complainant is kept secret and complainant is protected from victimization for making such complaints.

Provisions of the Resolution

The PIDPI Resolution has the following main provisions: -

- The Commission is authorized as the Designated Agency to receive written complaints or disclosure on any allegation of corruption or of misuse of office by any employee of the Central Government or of any corporation established by or under any Central Act, Government companies, societies or local authorities owned or controlled by the Central Government;
- Any public servant or a person including an NGO can make written disclosure to the designated agency
- The designated agency may, if it deems fit, call for further information or particulars from the persons making the disclosure.
- Anonymous complaints shall not be acted upon;
- The identity of the complainant will not be revealed unless the complainant himself has disclosed his identity;
- The Head of the Department / Organization to keep the identity of informant secret if he comes to know about it;
- The designated agency may call the comments / explanation of the Head of Department / Organization on the disclosure made;
- The designated agency may seek the assistance of CBI or the police authorities to complete the investigation pursuant to the complaint received;
- The designated agency on finding the allegation of misuse of office or corruption substantive, shall recommend appropriate action to the concerned Department or Organization;

- If the informant feels he is being victimized, he may make an application before the designated agency seeking redress in the matter. The designated agency may give suitable directions to the concerned public servant or the public authority;
- If on an application or on the basis of information gathered, the designated agency is of the opinion that the complainant or the witness need protection, it shall issue appropriate directions to the concerned Government authorities; and
- In the event of the identity of the informant being disclosed in spite of the designated agency's directions to the contrary, the designated agency is authorised to initiate appropriate action as per extant regulations against the person or agency making such disclosure.

Handling of complaints received under PIDPI Resolution

The Commission has the responsibility of keeping the identity of the complainant secret. Hence the Public Notice was issued by the Commission, informing the general public that any complaint, which is to be made under this Resolution, should comply with the following conditions: -

- The complaint should be in a closed / secured envelope.
- The envelope should be addressed to Secretary, Central Vigilance Commission and should be super-scribed **"Complaint under the Public Interest Disclosure"**. If the envelope is not super-scribed and closed, it will not be possible for the Commission to protect the complainant under the above Resolution and the complaint will be dealt with as per the normal complaint handling policy of the Commission. The complainant should give his / her name and address in the beginning or end of complaint or in an attached letter.
- Commission will not entertain anonymous / pseudonymous complaints.
- The text of the complaint should be carefully drafted so as not to give any details or clue as to the complainant's identity. However, the details of the complaint should be specific and verifiable.

- In order to protect identity of the person, the Commission will not issue any acknowledgement and the whistle-blowers are advised not to enter into any further correspondence with the Commission in their own interest. The Commission assures that, subject to the facts of the case being verifiable it will take the necessary action, as provided under the Government of India Resolution mentioned above. The designated agency may, if it deems fit, call for further information or particulars from the persons making the disclosure. If the complaint is anonymous, the designated agency shall not take any action in the matter.
- The Commission can also take action against complainants making motivated / vexatious complaints under this Resolution.

For more details visit https://cvc.gov.in

Source: https://cvc.gov.in

* * * * *

SAY NO TO

CORRUPTION

India - Corruption perceptions index

What is corruption perceptions index?

CPI Score relates to perceptions of the degree of corruption as seen by business people and country analysts, and ranges between 100 (highly clean) and 0 (highly corrupt).

In 2022, corruption perceptions index for India was 40 score. Corruption perceptions index of India increased from 28 score in 2003 to 40 score in 2022 growing at an average annual rate of 2.03%.

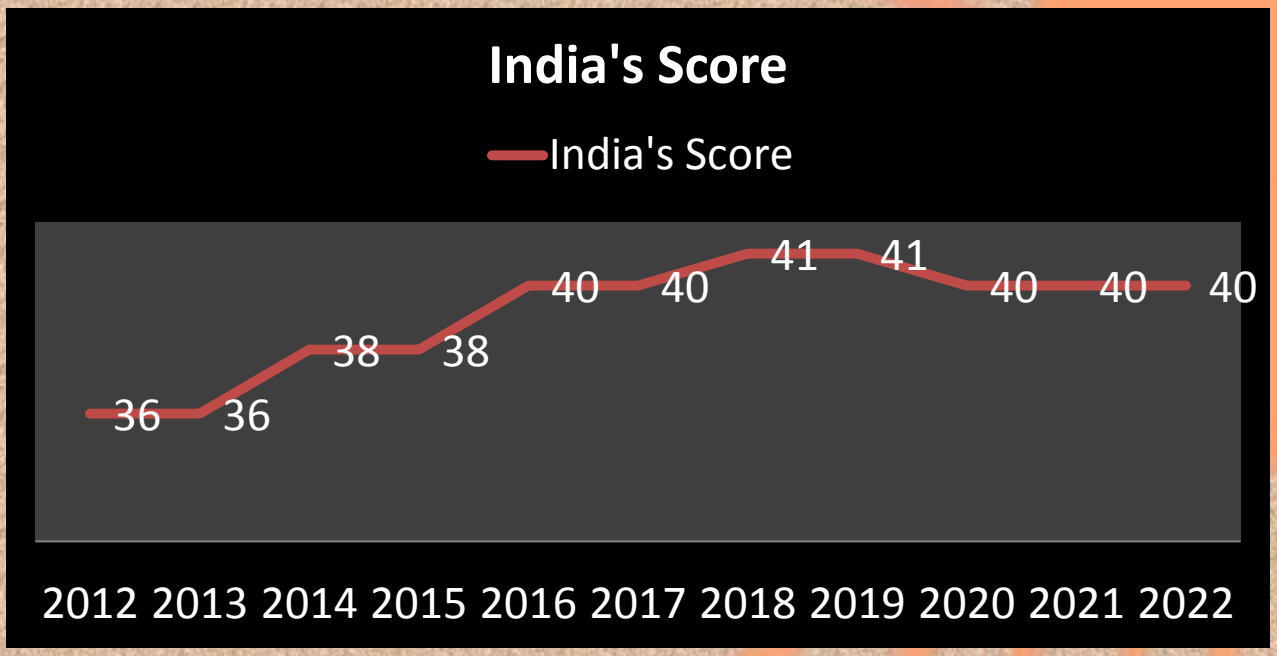

Source: Transparency International

* * * * *

INTEGRITY QUOTES

There is nothing noble in being superior to your fellow man; True nobility is being superior to your former self.

-Ernest Hemingway

Raise your words, not voice. It is rain that grows flowers, not thunders.

-Rumi

You must be the change you wish to see in the world.

-Mahatma Gandhi

Be yourself. Everyone else is already taken.

-Oscar Wilde

It is better to deserve honors and not have them than to have them and not deserve them.

-Mark Twain

Integrity is telling myself the truth. And honesty is telling the truth to other people.

-Spencer Johnson

Overview of Corruption and Anti-Corruption Developments in India

-- **Excerpts from**: Transparency International Knowledge Hub Help Desk

Regarded as the world's largest democracy, the success of India's democratic performance stands at a crossroads with increasing restrictions on fundamental freedoms and a crackdown on those speaking against the government.

Corruption remains an endemic problem that affects various areas in the public and private sectors, including institutions such as the police and judiciary, while affecting all levels of governance. The vast majority of human rights abuses in the country are enabled via a corrupt environment. The government has crippled critical law enforcement and accountability institutions at the central and the state level by the twin devices of amending the anti-corruption laws to curb their effectiveness, functional autonomy and politicizing the appointments to human rights commissions, information commissions and anti-corruption agencies like Lokpal and Lokayuktas. Systemic corruption has resulted in the curbing of voices of dissent raised by anti-corruption campaigners, transparency and accountability advocates and human rights activists. Journalists reporting corruption are particularly at risk in an increasingly curtailed civic space.

Main points

- Corruption remains an endemic problem for India, pervading all levels of governance.

- The violation of human rights in the Indian context is enabled by corruption, with the government using its control over key institutions, including but not limited to the police and judiciary, to silence dissent.

- Key anti-corruption legislation, such as the right to information and the Lokpal and Lokayukta laws, have been undermined in recent times.

- Accountability institutions are being strategically subverted.

- Media and CSOs face increasing pressures from incumbent powers to toe their line or simply shut down.

Extent of corruption

India ranks 85 out of 180 countries with a score of 40 in Transparency International's 2021 Corruption Perceptions Index (CPI).

The World Bank's Worldwide Governance (WGI) Indicators (2020) assign the following scores (in percentile rank) to the country:

Indicator	2016	2018	2020
Control of Corruption	47.6	49.5	46.6
Government effectiveness	55.8	63.5	66.8
Political stability and absence of violence/ terrorism	14.8	14.2	17.0
Regulatory quality	41.3	44.2	47.6
The rule of law	53.4	55.3	54.3
Voice and accountability	61.6	58.0	53.1

The WGI indicators show that voice and accountability have taken a hit over the years, with the percentile rank steadily falling. At the same time, regulatory quality is deemed to have improved while still being low on the percentile rank scale.

The 2021 TRACE Bribery Risk Matrix places India in the "medium" risk category, ranking it 82 out of 194 countries, with a risk score of 44 (TRACE International 2021a; TRACE International 2021b).

Freedom House (2021a) stated India is "partly free" in its Freedom in the World 2021 report with a score of 67/100. This is a drop from the erstwhile "free" status held by the country. The decline is attributed to a "multi-year pattern" of the Hindu nationalist government and its allies who have "presided over rising violence and discriminatory policies affecting the Muslim population and pursued a crackdown on expressions of dissent by the media, academics, civil society groups, and protesters" (Freedom House 2021a). Other minorities in the country are also facing increasing attacks. Persecution Relief, a non-profit organization that monitors violence against Christians reports that crimes against the community have increased by 60% between 2016 and 2019 (Krishnan 2021c).

Transparency International's Global Corruption Barometer (GCB) Asia 2020 reports that:

- 89 per cent of respondents believe that government corruption is a big problem (Transparency International 2020a, 41).
- India has the "highest overall bribery rate" as well as the "highest rate of citizens using personal connections" in the region, standing at 39% and 46%, respectively (Transparency International 2020a, 23; Transparency International 2020b).

- 50% of the respondents that had paid a bribe stated that they were asked to pay a bribe to access a particular service (Transparency International 2020a, 23).
- 36% of those using personal connections believed that they would be unable to access services without using such connections (Transparency International 2020a, 23).
- The percentage of respondents who either experienced extortion themselves or knew someone who had stood at 11% (Transparency International 2020a, 26).
- 18% of respondents had been offered bribes in exchange for votes (Transparency International 2020a, 29).
- 56% of respondents thought that ordinary citizens could make a difference in the fight against corruption (Transparency International 2020a, 30).

* * * * *

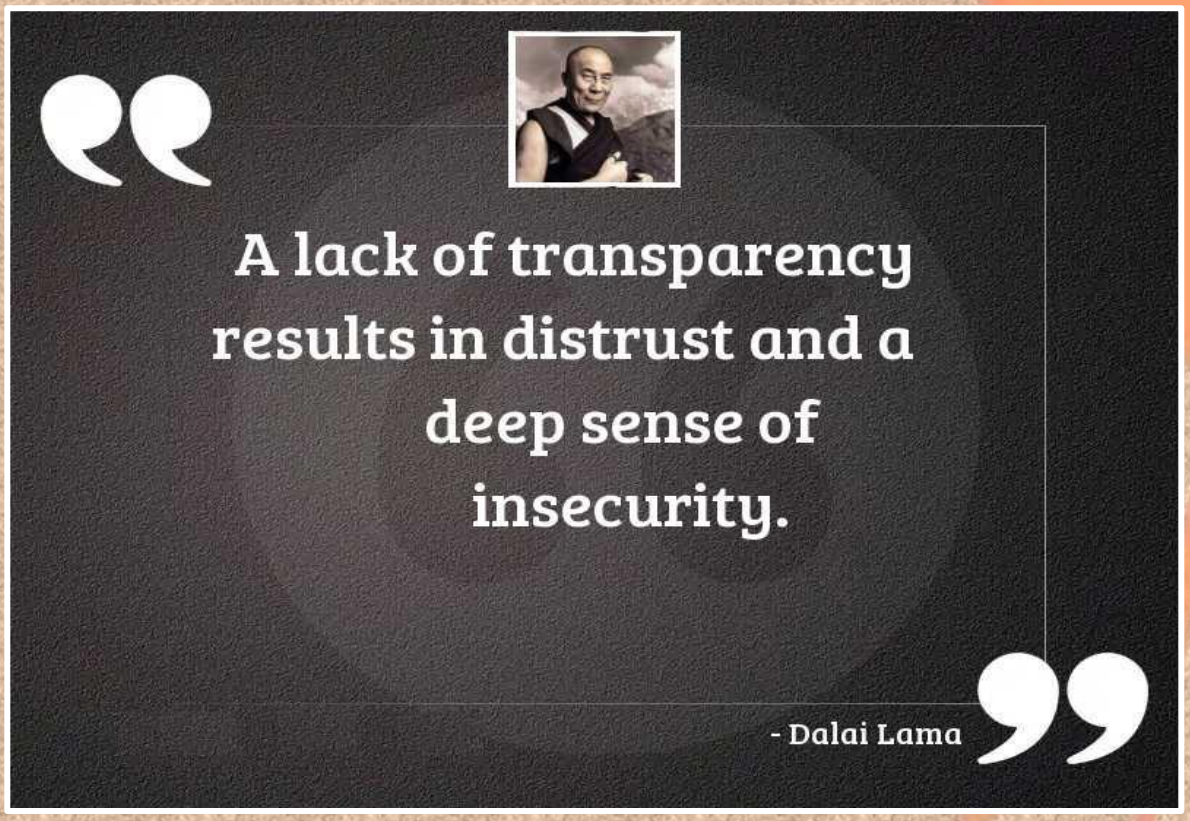

WHAT IS INTEGRITY

COLOUR WHICH REPRESENTS INTEGRITY: *BLUE*

FLOWERS THAT SYMBOLIZES INTEGRITY: *GLADIOUS*

PLANT THAT SYMBOLIZES INTEGRITY IN CHINESE CULTURE: *BAMBOO*

A SYMBOL OF PURITY, HONESTY AND INTEGRITY: *SWAN*

CELETIC SYMBOL OF INTEGRITY: *DARA KNOT*

Source: https://lifefamilyfun.com/spiritual-health/symbols-of-integrity/

Guidelines issued by Vigilance Department

Vigilance Department, during the period from September, 2022 to September, 2023 has issued two circulars; details of which are elaborated as under:

a) Circular No.10/22: Biometric Face recognition based Attendance Management System of CAs/ Account Assistant/ outsourced employees working under consultancy services/ works – reg.

During investigation of a complaint, it was observed that a Unit of SPMCIL was recording manual attendance in registers without mentioning the In-time & Out-time details of CAs/Account Assistants/outsourced employees working under consultancy services/works. To address the lapse, a circular No.10/22 was issued addressing all Units to mention clause that *'the attendance of CAs/Account Assistants/Outsourced employees working under Consultancy Services/Works will be made through Biometric/Face recognition based attendance management system'*, in all future tenders.

b) Circular No.01/23: Central Vigilance Commission Circular No.04/06/23 dated 14.06.2023-reg.

A copy of circulars issued by Central Vigilance Commission was circulated to all concerned regarding "Adoption and Implementation of Integrity Pact – Revised Standard Operating Procedure".

* * * * *

Why is it important to have integrity in the workplace?

INTEGRITY IS IMPORTANT IN THE WORKPLACE BECAUSE IT:

PROMOTES BETTER LEADERS

HELPS FOSTER AN OPEN AND POSITIVE WORK ENVIRONMENT

PROMOTES AN ETHICAL APPROACH TO DECISION-MAKING

ENCOURAGES DIVERSITY, EQUITY, AND INCLUSION

PROMOTES STRONG AND RESILIENT TEAMS

ACTIVELY BUILDS AND MAINTAINS TRUST

5 ways to demonstrate integrity in the workplace

RESPECT OTHERS' OPINIONS

ADDRESS CONFLICT HONESTLY AND RESPECTFULLY

BE A ROLE MODEL

BE READY TO WORK

REPORT UNETHICAL BEHAVIOR

Observance of

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 का अनुपालन

VAW-2022

मुख्यालय में शपथ ग्रहण समारोह

हिन्दू कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता

निगम मुख्यालय

मुख्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता

पी एडं टी सीनियर सकेंडरी स्कूल में निबंध लेखन प्रतियोगिता

केन्द्रीय विद्यालय स्कूल, देवलाली में चित्रकला प्रतियोगिता

इकाई में रंगोली प्रतियोगिता

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक

इकाई द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता रैली

इकाई में निबंध लेखन प्रतियोगिता

इकाई में शपथ ग्रहण समारोह

इकाई में निबंध लेखन प्रतियोगिता

चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक

स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता

इकाई द्वारा आयोजित विक्रेता सम्मेलन

इकाई में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

इकाई द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता रैली

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

इकाई द्वारा आयोजित रात्रि चौपाल

इकाई द्वारा आयोजित स्वंय सहायता समूह मेला

इकाई में शपथ ग्रहण समारोह

इकाई द्वारा 'नैतिकता और अखंडता' पर आयोजित ई-व्याख्यान

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद

इकाई में सीबीआई अधिकारी द्वारा व्याख्यान

राजकीय विद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता

इकाई में शपथ ग्रहण समारोह

इकाई द्वारा आयोजित विक्रेता सम्मेलन

प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम

सरकारी स्कूल में आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता

इकाई में सतर्कता जागरूकता कार्यशाला

इकाई में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

इकाई में चित्रकला प्रतियोगिता

भारत सरकार टकसाल, कोलकाता

इकाई द्वारा आयोजित विक्रेता सम्मेलन

अलीपुर विद्यापीठ स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता

इकाई में शपथ ग्रहण समारोह

इकाई द्वारा आयोजित विक्रेता सम्मेलन

भारत सरकार टकसाल, मुम्बई

इकाई में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

बच्चों के लिए आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

इकाई में शपथ ग्रहण समारोह

इकाई द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता

भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद

इकाई में आयोजित ई-व्याख्यान

इकाई में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

इकाई में शपथ ग्रहण समारोह

इकाई में स्लोगन प्रतियोगिता

भारत सरकार टकसाल, नोएडा

इकाई द्वारा आयोजित विक्रेता सम्मेलन

इकाई द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता रैली

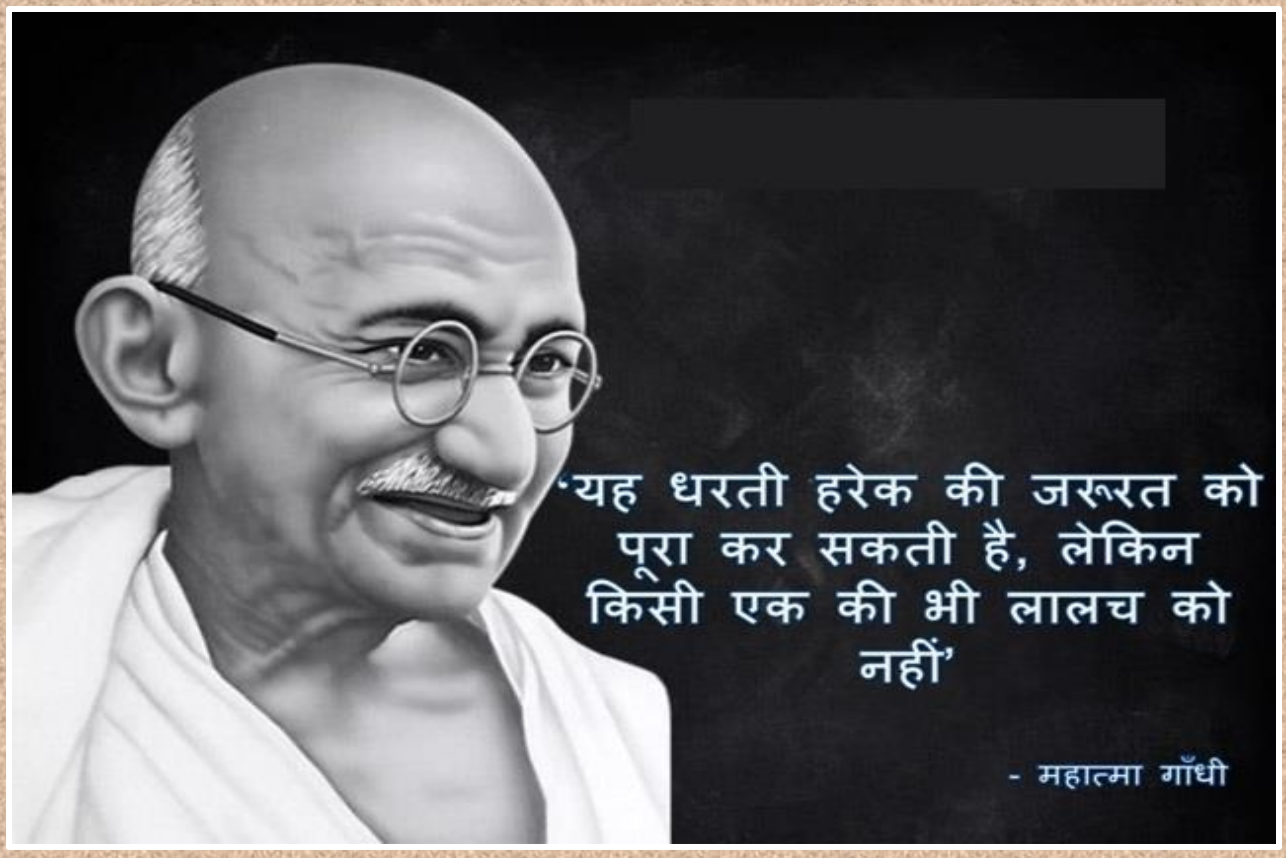
'यह धरती हरेक की जरूरत को
पूरा कर सकती है, लेकिन
किसी एक की भी लालच को
नहीं'
- महात्मा गाँधी

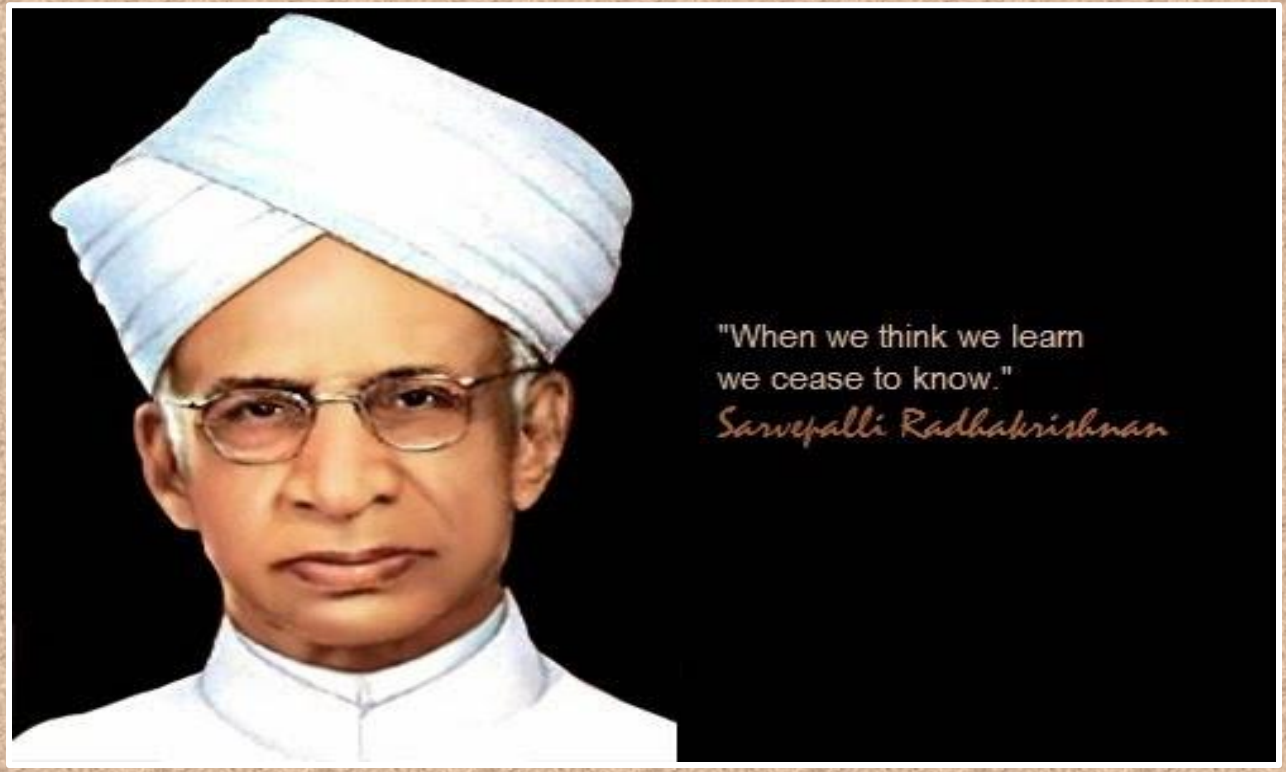
"When we think we learn
we cease to know."
Sarvepalli Radhakrishnan

सतर्कता विभाग से प्रत्यावर्तन

श्री एस.पी. गंदम,
पूर्व उप मुख्य सतर्कता अधिकारी,
वर्तमान में भा.स.ट.-हैदराबाद में पदस्थ

श्री रघुबीर कैंतुरा,
मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय के
पूर्व कार्यालय सचिव,
वर्तमान में अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक
महोदय के कार्यालय सचिव

श्रीमती गंगा शर्मा,
उप मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय
की पूर्व सचिव,
वर्तमान में सचिव (मा.सं.)

श्री मोहम्मद नायब,
पूर्व पर्यवेक्षक (सतर्कता), बै.नो.मु.-देवास,
वर्तमान में वरिष्ठ पर्यवेक्षक (मुद्रण),
बै.नो.मु.-देवास

सतर्कता विभाग में नई प्रविष्टि

श्री पार्थ प्रतिम दास,
उप मुख्य सतर्कता अधिकारी

श्री हरिश कुमार,
मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय
के कार्यालय सचिव

श्री गोविंद रघुवंशी
प्रबंधक (सतर्कता)
प्र.का.का.-नर्मदापुरम

श्री अवि जांगरा,
पर्यवेक्षक (सतर्कता),
बै.नो.मु.-देवास

सतर्कता विभाग की दूरभाष पुस्तिका

क्र	नाम	पदनाम	दूरभाष	ई-मेल
1	**श्री विनय कुमार सिंह**	मुख्य सतर्कता अधिकारी	011-43582260	cvo@spmcil.com
2	श्री हरीश कुमार	मुख्य सतर्कता अधिकारी के कार्यालय सचिव	011-43582260	harish.hkumar@spmcil.com
3	**श्री पार्थ प्रतिम दास**	उप मुख्य सतर्कता अधिकारी	011-43582285	Deputy.CVO@spmcil.com
निगम मुख्यालय				
4	श्री अमिताभ शाह	संयुक्त महाप्रबंधक (सतर्कता)	011-43582204	vig.misc@spmcil.com
5	श्री बी. राजशेखर	प्रबंधक (सतर्कता)	011-43582219	vig.comp@spmcil.com
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक				
6	श्री संदीप चौधरी (अतिरिक्त प्रभार)	प्रबंधक (सतर्कता)	0253-2469689	isp.vigilance@spmcil.com
चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक				
7	श्री संदीप चौधरी	प्रबंधक (सतर्कता)	0253-2402393	cnp.vigilance@spmcil.com

क्र	नाम	पदनाम	दूरभाष	ई-मेल
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास				
9	श्री घनश्याम जरेड़ा	उप महाप्रबंधक (सतर्कता)	07272-268215	bnpvigilance@spmcil.com
प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद				
10	श्री अंजनीप्पा डी (अतिरिक्त प्रभार)	प्रबंधक (सतर्कता)	040-23253629	spp.vigilance@spmcil.com
प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम				
11	श्री गोविंद रघुवंशी	प्रबंधक (सतर्कता)	07574-279911	spm.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, कोलकाता				
12	श्री पबित्रा कुमार पॉल	उप महाप्रबंधक (सतर्कता)	033-24015246	vigilance.igmk@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, मुंबई				
13	श्री अखिल भगत	प्रबंधक (सतर्कता)	022-22664302	igmm.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद				
14	श्री अंजनीप्पा डी	प्रबंधक (सतर्कता)	040-27260236	igmh.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, नोएडा				
15	श्री अमिताभ शाह (अतिरिक्त प्रभार)	संयुक्त महाप्रबंधक (सतर्कता)	0120-4783111	igmn.vigilance@spmcil.com

* * * * *

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
Security Printing and Minting Corporation of India Limited

लोकहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण संकल्प, 2004 (पीआईडीपीआई)
PUBLIC INTEREST DISCLOSURE & PROTECTION OF INFORMER RESOLUTION, 2004 (PIDPI)

पीआईडीपीआई क्या है?/ WHAT IS PIDPI?

- पीआईडीपीआई भारत सरकार का एक संकल्प है।/
  PIDPI is a resolution of Government of India.
- इसके तहत दर्ज सभी शिकायतों में शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है।/
  Identity of the complainant is kept confidential for all complaints lodged under it.

पीआईडीपीआई शिकायत कैसे दर्ज की जाती है?/ HOW IS PIDPI COMPLAINT FILED?

- पीआईडीपीआई के तहत की जाने वाली शिकायत, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के सचिव को संबोधित होनी चाहिए और लिफाफे के ऊपर "पीआईडीपीआई" लिखा होना चाहिए।/
  The Complaint should be addressed to Secretary, CVC and the envelope should be superscribed as "PIDPI".
- शिकायतकर्ता का नाम और पता लिफाफे पर नहीं बल्कि अंदर बंद लिफाफे में लिखे पत्र में अंकित होना चाहिए।/
  Name and Address of the complainant should NOT be mentioned on the envelope but in the letter inside in a closed cover.

शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रहे यह सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश / GUIDELINES TO ENSURE IDENTITY OF COMPLAINANT REMAINS CONFIDENTIAL

- ऐसी शिकायतें जो शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत रूप से संबंधित हैं या अन्य अधिकारियों को संबोधित हैं, से पहचान का खुलासा हो सकता है।/
  Complaints that are personally related to the complainant or addressed to other authorities may lead to disclosure of identity.
- शिकायतें खुली स्थिति में या सार्वजनिक पोर्टल पर नहीं भेजी जानी चाहिए।/
  Complaints should not be sent in open condition or on public portal.
- पहचान उजागर करने वाले दस्तावेज़ शिकायत में संलग्न या उल्लेखित नहीं किए जाने चाहिए। जैसे आरटीआई के तहत प्राप्त दस्तावेज।/
  Documents that reveal identity should not be enclosed or mentioned in the complaint. Eg: documents received under RTI.
- पुष्टि के लिए लिफाफे के अंदर पत्र पर नाम और पता का उल्लेख किया जाना चाहिए।/
  Name and Address should be mentioned on the letter inside the envelope for confirmation purposes.
- जिन शिकायतों की पुष्टि नहीं हुई है उन्हें बंद कर दिया जाता है।/
  Complaints where confirmation is not received are closed.
- गुमनाम/छद्मनाम पत्रों पर विचार नहीं किया जाता है।/
  Anonymous/Pseudonymous letters are not entertained.

सतर्कता जागरुकता सप्ताह- २०२३
VIGILANCE AWARENESS WEEK-2023

अधिक जानकारी के लिए https://www.cvc.gov.in पर जाएं
For more details visit https://www.cvc.gov.in

एसपीएमसीआईएल सतर्कता विभाग
सदैव आपके साथ, आपके लिए!

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड

मिनीरत्न श्रेणी-I, सीपीएसई
(भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन)
16वां तल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली – 110001
वेबसाइट- www.spmcil.com
फोन: 011-43582201, फैक्स: 011-43582202

SECURITY PRINTING AND MINTING CORPORATION OF INDIA LIMITED
MINIRATNA CATEGORY-I, CPSE
(WHOLLY OWNED BY GOVERNMENT OF INDIA)
16TH FLOOR, JAWAHAR VYAPAR BHAWAN, JANPATH, NEW DELHI – 110001
WEBSITE: www.spmcil.com
PH: 011-43582201, FAX: 011-43582202